पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 267

ग्वालियर, रविवार, 21 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

महाकाल मंदिर में दांत से काटकर महिला ने चुराई चेन

नई दिल्ली। महाकाल मंदिर में श्रद्धालुजनों की भीड़ में एक महिला चोर घुस गई और उसने गुजरात से आए एक परिवार की महिला को शिकार बनाया। दांतों से उसके गले की चेन को काटकर 17 ग्राम की सोने की चेन चुरा ली। सीसीटीवी में उसकी करतूत कैद हो गई और महिला की यह वीडियो वायरल हो गई है। बताया जाता है कि गुजरात के सावरकाठा जिले के विशाल राकेश भाई मिस्त्री अपनी मां हेमा और अन्य लोगों के साथ शुक्रवार की रात महाकाल मदिर परिसर के ओंकारेश्वर मंदिर के दर्शन करने आए थे। विशाल का कहना है कि मंदिर के दर्शन के पहले उनकी मां के गले में सोने की चेन और उसमें पेंडल भी था लेकिन जब दर्शन करके लौटे तो चेन गले में नहीं थी। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से देखा तो पीली साड़ी पहने एक महिला हेमा बेन के गले से दांत से चेन को काटती दिखाई दी। इस बारे में पुलिस को सूचना दी गई तो उन्होंने जिन महिलाओं के होने पर संदेह हुआ, उनसे पूछताछ की गई लेकिन सोने की चेन नहीं मिली।

मौलाना अरशद मदनी बोले सीएए को भी वापस ले केन्द्र सरकार

नई दिल्ली। यूपी चुनाव से पहले किसानों को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कृषि के तीनों कानूनों को वापस ले लिया। पीएम मोदी ने माफी मांगते हुए तीनों कानूनों की वापसी का ऐलान किया तो किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब सीएए वापसी का मुद्दा फिर से उठने लगा है। कृषि कानूनों की वापसी पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा हम उन किसानों को बधाई देते हैं जिन्होंने बहादुरी से अपना विरोध जारी रखा, इसी तरह हम चाहते हैं कि सरकार उस कानून को वापस ले ले जो मुसलमानों को चोट पहुंचाने वाला है। वे भी दूसरों की तरह ही भारत के नागरिक हैं। अगर वे प्रभावित हैं तो सरकार को इसे उसी तरह महसूस करना चाहिए। मौलाना केन्द्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा, ऐसा माना जाता है कि चुनाव नजदीक होने के कारण कृषि के तीनों कानून निरस्त कर दिए गए हैं। हमें लगता है कि वह सीएए-एनआरसी राष्ट्रीयता से संबंधित है और इसका खामियाजा मुसलमानों को भुगतना पड़ेगा। जनता की ताकत सबसे मजबूत, इसलिए यह सीएए भी निरस्त किया जाएगा। सहारनपुर में जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कृषि कानूनों को वापस लेने का स्वागत किया था। साथ ही मांग की है कि सरकार नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को भी कृषि कानूनों की तरह वापस ले। शुक्रवार को मीडिया में जारी बयान में मौलाना अरशद मदनी ने कहा था कि एक बार फिर सच सामने आया है कि अगर किसी जायज मकसद के लिए ईमानदारी और धैर्य के साथ आंदोलन चलाया जाए तो उसमें कामयाबी जरूर मिलती है।

झारखंड में नक्सलियों ने ब्लास्ट कर रेल पटरी को उड़ाया

रांची। भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के नेता प्रशांत बोस और उनकी पत्नी शीला मरांडी की गिरफ्तारी के विरोध में नक्सलियों ने चक्रधरपुर रेल मंडल के सोनुवा और लोटापहाड़ रेलवे स्टेशन के बीच रेल पटरियों को बम ब्लास्ट कर उड़ा दिया। इससे हावड़ा-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन ठप हो गया। कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर रोकी गईं। इससे पहले शुक्रवार को देर रात एक बजे टोरी-लातेहार के रेलखंड पटरी उड़ा दी। सुरक्षा एजेंसियों को पूरी तरह चौकस रहने का निर्देश दिया गया है। दरअसल एक करोड़ के इनामी प्रशांत बोस की गिरफ्तारी के बाद नक्सलियों का भारत बंद शुरू कर दिया है। जो शुक्रवार की रात 12 बजे से शनिवार की रात 12 बजे तक रहेगा। इसे लेकर राज्यभर में पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने टोरी रेलखंड पर तांडव मचाना शुरू कर दिया है, उन्होंने टोरी रिचुघुटा डेम स्टेशन का रेलवे ट्रैक उड़ा दिया है।

पिता सफाईकर्मी थे, उन्होंने अपने काम पर कभी शर्म नहीं की: सुनील शेट्टी

मुंबइ। हाल ही में बॉलीवुड कलाकार सुनील शेट्टी और करिश्मा कपूर इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 2 के मंच पर पहुंचे। सुनील शेट्टी और करिश्मा कपूर की जोड़ी ने शो पर न सिर्फ जमकर मस्ती की बल्कि जिंदगी के संघर्ष के बारे में भी खुल कर बात की। शो के दौरान अभिनेता सुनील शेट्टी अपने पिता के बारे में बात करते हुए भावुक भी हो गए। सुनील शेट्टी ने बताया कि उनके पिता उनकी जिंदगी के रोल मॉडल हैं जब भी कोई उनसे पूछता है कि उनके हीरो कौन है, तो वो हमेशा अपने पिता का ही नाम लेते हैं। सुनील शेट्टी के पिता एक सफाईकर्मी थे, पर उन्हें अपने काम पर कभी शर्मिंदगी महसूस नहीं हुई। पिता ने जो भी किया हमेशा सिर उठा कर किया।

जनजातीय गौरव सप्ताह के समापन अवसर पर आदिवासियों को शिवराज देंगे सौगात

जनजातीय समाज को मिलेगा सामुदायिक वन अधिकार

-22 नवंबर को मंडला में आयोजित होगा समापन समारोह

भोपाल। 15 नवंबर यानी बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के दिन को जनजातीय गौरव दिवस के तौर पर मनाए जाने की आधिकारिक घोषणा और शुरूआत के बाद मप्र के आदिवासियों को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। जनजातीय गौरव सप्ताह के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों को सामुदायिक वन अधिकार देने जा रही है। इसके लिए शासन-प्रशासन स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। गौरतलब है कि जनजातीय गौरव सप्ताह का समापन समारोह 22 नवंबर को मंडला में आयोजित किया गया है। इस समारोह में मंडला सहित आसपास के जिलों के आदिवासी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा जनजातीय गौरव सप्ताह के समापन सम्मेलन में आदिवासियों को वनाधिकार अधिनियम में सामुदायिक वन अधिकार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पट्टा वितरण और वनाधिकार अधिनियम में वनों में रहने का अधिकार भी दिया जाएगा।

जनजातीय समाज का समग्र विकास

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि जनजातीय समाज का समग्र विकास हो। इसके लिए जनजातीय समाज के कल्याण और विकास के लिए राज्य सरकार ने जो कहा उसका क्रियान्वित हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन और हितलाभ का वितरण जल्द सुनिश्चित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव सप्ताह, जनजातियों में जागरुकता लाने और उनकी जिंदगी बदलने का एक अभियान है। मुख्यमंत्री द्वारा मंडला जिले के समस्त बैगा परिवारों का घर-घर सर्वे कर शासन की समस्त योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किए जाने की समग्र योजना बैसिक एमिनिटी इंक्लूजन बाय गवर्मेंट एजेंसी का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री बैगा संस्कृति पर आधारित पुस्तक का विमोचन करेंगे और राशन आपके गांव योजना में 25 वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

11,310 हेक्टेयर का अधिकार-पत्र वितरण

मुख्यमंत्री जनजातीय गौरव सप्ताह के समापन सम्मेलन में 6 गांवों के 148 बैगा परिवारों को पट्टा वितरण, वनाधिकार अधिनियम में 123 ग्रामों को 11 हजार 310 हेक्टेयर के सामुदायिक वन अधिकार-पत्र का वितरण और जनजातीय भाई-बहनों को अन्य अधिकार प्रदत्त किए जाएंगे। मुख्यमंत्री जनजातीय महिला स्व-सहायता समूहों को 10 करोड़ रुपए का ऋण वितरण और 5 हजार जनजातीय परिवारों को बांस के पौधों का वितरण करेंगे। वहीं 318 करोड़ रुपए के कार्यों का भूमिपूजन और 26 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। साथ ही

सम्मेलन में दिखेगी जनजातीय संस्कृति

मुख्यमंत्री गौरव सप्ताह के समापन सम्मेलन में गोंड राजवंश के ध्वज स्थल पर पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम मंडला के रामनगर में होगा, जिसमें मंडला की सभी प्रमुख जनजातियां जैसे गौड, बैगा आदि शामिल होंगी। कार्यक्रम में जनजातीय जीवन संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी, एक जिला-एक उत्पाद में महिला स्व-सहायता समूह द्वारा कोदो- कुटकी के उत्पाद का प्रदर्शन और गोंडी पेंटिंग तथा स्थानीय कलाकारों के द्वारा जनजातीय जीवन को प्रदर्शित करती चित्रकला प्रदर्शित की जाएगी।

ग्वालियर को मिला गार्बेज फ्री सिटी 3 स्टार अवार्ड

स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में ग्वालियर देश में 15वें स्थान पर

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में गार्बेज फ्री सिटी 3 स्टार अवार्ड ग्वालियर को मिला है। अवार्ड देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। इसके साथ ही 10 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों में ग्वालियर स्वच्छता रैंक में 15वें स्थान पर रहा। साथ ही सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में ग्वालियर को गोल्ड मिला है। अवार्ड लेने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, अपर आयुक्त श्री संजय मेहता एवं स्वच्छता के नोडल अधिकारी श्री श्रीकांत काटे दिल्ली गये थे। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने बताया कि ग्वालियर नगर निगम को गार्वेज फ्री सिटी का अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों व निगम के अधिकारी, कर्मचारी व सफाई मित्रों की मेहनत का परिणाम है कि ग्वालियर सिटी को गार्वेज फ्री सिटी में 3 स्टार अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में ग्वालियर ने गोल्ड जीता है। यह परिणाम हमारे सफाई मित्रों के लिए ऊर्जा का संचार करने वाला है। सफाई मित्रों द्वारा शर्दी, गर्मी व बरसात में दिन रात शहर को साफ रखने के लिए काम किया उसी का परिणाम है। निगमायुक्त ने बताया कि निगम के सफाई मित्रों की मेहनत और लगन का परिणाम है कि आज ग्वालियर ने स्वच्छता के क्षेत्र में 4523.52 का स्कोर किया था जिस कारण नगर निगम ग्वालियर ने 10 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों में 15वीं रैंक हासिल की है।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि हमें स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के लिए अभी से जुटना हैं जिसमें आपका महत्वपूर्ण सहयोग हमें चाहिए। कचरा वाहन आने पर गीला व सूखा गचरा अलग-अलग दें साथ ही कचरा सिर्फ डस्टबिन में ही डालें। साथ ही स्वच्छ शहर के लिए दूसरों को भी कचरा खुले में न डालने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही उन्होंने निगम के सफाई मित्रों से कहा कि हमें दुगनी क्षमता के साथ शहर को साफ व स्वच्छ रखने के लिए जुटना है। जिससे स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में हम उच्चतम स्थान पर आ सकें।

भोपाल में गर्माई घुटना तोड़ राजनीति रामेश्वर को दिग्विजय ने दी चुनौती

भोपाल। राजधानी में घुटना तोड़ राजनीति गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा को चैलेंज किया है। दिग्विजय ने ट्वीट कर कहा कि मैं कांग्रेसी हूं। जिसमें ताकत हो तो मेरे घुटने तोड़ दे। मैं गांधीवादी हूं। हिंसा का जवाब अहिंसा से दूंगा। 24 नवंबर को मैं महात्मा गांधी की मूर्ति से रामेश्वर शर्मा के घर जाऊंगा। उनके घर जा कर प्रभु से उन्हें सदबुद्धि देने के लिए एक घंटे तक रामधुन करुंगा। बता दें हुजूर विधानसभा सीट से विधायक रामेश्वर शर्मा ने कुछ दिन पहले कलखेड़ा में अतिक्रमण के मामले से जुड़ी एक सभा का वीडियो सामने आया। इसमें शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम लेकर कहा कि वो छाती पीटकर गया। आठ महीने पहले वो आए, लेकिन कुछ करके गए क्या? विधायक ने कहा कि मेहरबानी करो, थोड़ी शांति रखो। किसी मकान को टूटने नहीं देंगे। शर्मा यह भी कहते है कि क्षेत्र में कोई कांग्रेस का आदमी आए तो उसके घुटने तोड़ दो। रामेश्वर शर्मा का वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने पटलवार करते हुए कहा कि पूर्व विधानसभा प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा किस प्रकार लोगों को भड़का रहे हैं, ये कैसी इनकी भाषा है।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जेट ईंधन पर घटाएं वैट : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि नागर विमानन क्षेत्र कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एक बार फिर जेट ईंधन (एटीएफ) पर कर कम करने का आग्रह किया है। सिंधिया ने कहा कि इस कदम से हवाई यातायात को बढ़ाने में मदद मिलेगी। महामारी की वजह से अनुसूचित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी स्थगित हो गई थीं। अब धीरे-धीरे यह क्षेत्र वापसी के पथ पर लौट रहा है और हवाई यातायात कोविड-पूर्व के स्तर के करीब है। इसके मद्देनजर सिंधिया राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एटीएफ पर मूल्यवर्धित कर (वैट) को कम करने का आग्रह कर रहे हैं, जो एक एयरलाइन की परिचालन लागत का एक बड़ा हिस्सा होता है। यहां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागर विमानन मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सभी हितधारकों के सहयोग और समर्थन पर जोर दिया।

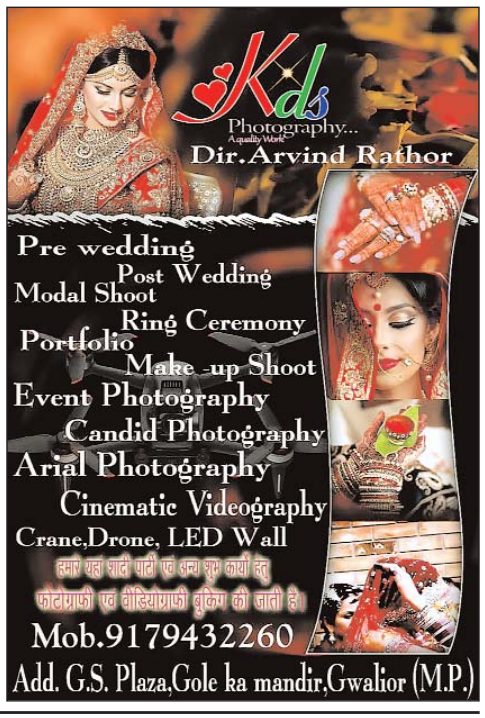

न्यूज़ ट्रैक....

गली क्रिकेट खेलते नजर आये भज्जी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह (भज्जी) का वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें हरभजन गली में क्रिकेट खेलते हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो छाया हुआ है। सबसे खास बात यह है कि इस वीडियो में आकाश चोपड़ा कमेंट्री कर रहे हैं। हरभजन इस एक वीडियो में किसी पार्क में क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं। वह मैच में विकेटकीपिंग भी करते हैं। इसी बीच बल्लेबाज के बल्ले का किनारा लेती हुई गेंद उनके पास आती है और वह कैच पकड़ लेते हैं। इसके बाद वह साथियों के साथ जश्न मनाते हैं। इसी वीडियो पर आकाश की कमेंट्री भी जारी रहती है। वह बोलते हैं, सिंह इज किंग जो मेसेज डिस्प्ले भी होता है। इस वीडियो को ट्विटर पर अभी तक 47 हजार से भी ज्यादा बार देखा गया है। 23 सेकेंड के इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। हरभजन के कुछ प्रशंसकों ने उनकी विकेटकीपिंग की भी तारीफ की है।

गिरजा/ईएमएस 19 नवंबर 2021

धोनी की पत्नी साक्षी ने मनाया 33 वां जन्मदिन, वीडियो वायरल

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की पत्नी साक्षी ने शुक्रवार को अपना 33 वां जन्मदिन मनाया। इसका एक विडियो भी सामने आया है। इसमें साक्षी केक काटते हुए नजर आ रही हैं जबकि धोनी उनके साथ खड़े हैं। साक्षी धोनी इंस्टाग्राम पर सबसे चर्चित भारतीय हस्तियों में से एक हैं। अक्सर वह मैदान पर धोनी और उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का उत्साह बढ़ाते हुए नजर आती हैं। साक्षी को इंस्टाग्राम पर करीब 45 लाख लोग फॉलो करते हैं। कहा जाता है कि साक्षी और धोनी दोनों बचपन के दोस्त हैं। दोनों के पिता दोस्?त थे। इससे पहले साक्षी ने कहा था, कई बार लोग कहते हैं कि मैं और माही बचपन के दोस्?त हैं। हमारे परिवार वाले भी दोस्?त हैं पर हमारे बीच सात साल का अंतर हैं और हम बचपन के दोस्?त नहीं हैं। मैं शादी के बाद पहली बार रांची माही के जन्मदिन पर गई थीं।। साक्षी और माही की शादी देहरादून में हुई थी।

फुटबॉल कमेंटेटर कपाडिया का निधन

नई दिल्ली (ईएमएस)। मशहूर फुटबॉल कमेंटेटर और दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर नोवी कपाडिय का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। नोवी 67 वर्ष के थे और अब तक अविवाहित थे। नौ फीफा विश्व कप में कमेंटरी कर चुके कपाडिया पिछले एक महीने से वेंटिलेटर पर ही थे। उन्हें ‘मोटर न्यूरोन’ बीमारी थी जिसमें रीढ की नसें और दिमाग धीरे-धीरे काम करना बंद कर देता है। इसकी वजह से वह पिछले दो साल से अपने घर में ही थे। कपाडिय पिछले कई दशक से ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल की कमेंट्री करते आए हैं। अशोक क्लब के संस्थापक कपाडिय ने स्थानीय लीग में भी फुटबॉल खेला था। उन्होंने ‘बेयरफुट टू बूट्स द मेनी लाइव्स आफ इंडियन फुटबॉल’ किताब भी लिखी। इसके अलावा फुटबॉल प्रेमियों के लिये गाइड भी 2014 में लिखी। वह एसजीटीबी खालसा कॉलेज में पूर्व प्रोफेसर भी थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि मशहूर पत्रकार, कमेंटेटर और फुटबॉल पंडित नोवी कपाडि?ा के निधन पर दुखी हैं। भारतीय फुटबॉल की उनकी कवरेज के जरिये उन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी। वहीं बेंगलुरू एफसी, एटीके मोहन बागान, केरला ब्लास्टर्स जैसे शीर्ष टीमों ने भी उनके निधन पर शोक जताया।

विराट कोहली की गैर मौजूदगी में रोहित शर्मा का बड़ा बयान

‘खिलाड़ियों को फ्रीडम देना जरूरी’

न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है. दूसरे टी-20 मैच में कप्तान रोहित शर्मा और उप-कप्तान केएल राहुल की शानदार पारी के दम पर टीम इंडिया को जीत नसीब हुई. जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और बेंच-स्ट्रेंथ को लेकर खुलकर बात की। कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा, ‘हमने मुश्किल हालात में शानदार प्रदर्शन किया, न्यूजीलैंड की टीम शानदार है. मैच में एक विकेट की बात थी जो हमें मोमेंटम दे सकती थी. हमारी बेंच स्ट्रेंथ काफी मजबूत है, नए प्लेयर लगातार क्रिकेट खेलते हुए आ रहे हैं’। रोहित शर्मा बोले कि कप्तान के तौर पर मेरा काम यही रहेगा कि नए प्लेयर हमेशा कम्फर्टेबल फील करें, जब भी वो खेलने आएं. ये मेरे लिए जरूरी है कि प्लेयर्स को वो फ्रीडम दी जाए, बाकी बाहरी चीज़ों की चिंता ना की जाए. इसलिए ग्राउंड में आते ही सिर्फ गेम को लेकर सोचें.

बेंच स्ट्रेंथ को लेकर रोहित शर्मा ने कहा कि ये काफी यंग टीम है, कई खिलाड़ियों ने काफी कम गेम खेले हैं. कई खिलाड़ी अपने मौके का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनका वक्त जरुर आएगा. हम कोशिश करेंगे कि हर किसी को मौका मिल सके, लेकिन जो भी खिलाड़ी ग्राउंड में है वो उसकी कोशिश होनी चाहिए कि वो अपना काम कर सके।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की इस टी-20 सीरीज में कई खिलाड़ियों को आराम दिया गया है. टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ चुके कोहली भी इस सीरीज में नहीं खेल रहे हैं, ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में कई नए प्लेयर्स को मौका मिल रहा है. पहले टी-20 में वेंकटेश अय्यर ने डेब्यू किया था और दूसरे मैच में हर्षल पटेल ने डेब्यू किया।

इंग्लैंड के क्रिकेटर ने पुजारा से माफी मांगी

लंदन । इंग्लैंड के खिलाड़ी जैक ब्रूक्स ने भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को ‘स्टीव’ नाम से बुलाने को लेकर माफी मांगी है। अब समरसेट की ओर खेलने वाले ब्रूक्स पहले साल 2015 में वह यॉर्कशायर क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते थे और पुजारा भी उनकी टीम में थे। ब्रूक्स ने अपने एक बयान में कहा है कि तब वह नहीं जानते थे कि यह भी एक प्रकार का नस्लवादी व्यवहार है पर अब वह इसे सही नहीं मानते। माना जा रहा है कि ब्रूक्स ने यह माफी अजीम रफीक मामले में पूर्व कप्तान कप्तान माइकल वॉन पर लगे नस्लवाद के आरोपों को देखते हुए मांगी है।

ब्रूक्स ने पुजारा से माफी मांगते हुए कहा, पहले के समय में ड्रेसिंग रूम के अलग माहौल हुआ करता था तब किसी बात की परवाह किए बिना उपनाम देना और मजाक में कुछ कहना आम बात थी पर अब इस प्रकार का व्यवहार करना अपमानजनक माना जाता है। उस समय मैं इसे नस्लवादी व्यवहार के रूप में नहीं पहचानता था, लेकिन अब मैं देख सकता हूं कि यह स्वीकार्य नहीं था। स्टीव शब्द का उपयोग करने के अलावा, ब्रूक्स अपने ऐतिहासिक नस्लवादी ट्वीट्स के लिए भी जांच के दायरे में हैं। समरसेट क्रिकेट क्लब ने भी इस मामले को लेकर एक बयान जारी किया है। ब्रूक्स यॉर्कशायर का हिस्सा थे, जब उन्होंने नस्लवादी ट्वीट किए थे।

लयूसेल में फार्मुला वन सर्किट में मर्सिडिज के लुइस हैमिल्टन।

भुवनेश्वर में होगा एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप टूर्नामेंट

लौसाने । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (आईएफएच) का एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भारत 2021 का पहला मैच ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में इसी माह 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका और बेल्जियम के बीच खेला जाएगा। इससे पहले आईएफएच ने पुरुष एवं महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप का शैड्यूल जारी कर दिया था। इसमें चार-चार टीमों के चार समूह बनाए गए हैं। हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप का फाइनल 5 दिसंबर को खेला जाएगा। इंग्लैंड द्वारा नाम वापस लेने के बाद पोलैंड इस टूर्नामेंट में शामिल होगा और पूल बी में टूर्नामेंट के मेजबानों और खिताब विजेताओं भारत, कनाडा और फ्रांस के साथ खेलेगा। वहीं पुरुष टूर्नामेंट की समाप्ति के साथ ही एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप दक्षिण अफ्रीका 2021 की शुरुआत 5 दिसंबर को आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मैच के साथ होगी।

लारा के असली उत्तराधिकारी थे डिविलियर्स

डविलियर्स के साथ ही एक युग समाप्त हुआ : आरसीबी

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के खेल से संन्यास लेने से उनके प्रशंसकों में निराशा है। डिविलियर्स ने कहा है कि अब वह लीग क्रिकेट नहीं खेलेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। डिविलियर्स के सन्यास पर आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) ने कहा है कि इसी के साथ एक युग का अंत हो गया। आपने जो कुछ किया है और टीम, प्रशंसकों को और सामान्य रूप से क्रिकेट प्रेमियों को दिया है, उसके लिए धन्यवाद। डिविलियर्स आरसीबी के अहम खिलाड़ी थे। वहीं मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले ने ट्वीट किया, मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि डिविलियर्स अपनी पीढ़ी के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। एक प्रतिभाशाली, लारा का सच्चा उत्तराधिकारी। आपको शुभकामनाएं एबी। मुझे भरोसा है कि आरसीबी में आपके सैकड़ों प्रशंसक आपको सही विदाई देना चाहेंगे। आप महान खिलाड़ी हैं।

वहीं श्रेयस अय्यर ने लिखा, करियर के शुरुआती सालों में आपको खेलते देख काफी सीखा। आपके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। गुड लक डिविलियर्स।आपने क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया उसके लिए धन्यवाद। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन ने भी डिविलियर्स के लिए भावुक बात लिखी. लिविंगस्टोन ने लिखा, खेल को अपने आप बदल दिया!

डिविलियर्स लंबे समय तक विराट कोहली की आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का हिस्सा रहे. हालांकि, अब वो आईपीएल भी नहीं खेलेंगे. ऐसे में आरसीबी ने भी इस दिग्गज बल्लेबाज को भावुक विदाई दी. आरसीबी ने ट्वीट किया, एक युग का अंत! आप जैसा कोई नहीं है, एबी. हम आपको आरसीबी में बहुत मिस करेंगे. आपने जो कुछ किया है और टीम, प्रशंसकों को और सामान्य रूप से क्रिकेट प्रेमियों को दिया है, उसके लिए थैंक्यू। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स टीम ने भी ट्वीट कर एबी डिविलियर्स को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं हैं।

व्यापारन्यूज

एलिन इलेक्ट्रानिक ने 760 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी में दाखिल किए पेपर

मुंबई । एलिन इलेक्ट्रानिक ने अपने आईपीओ के लिए सेबी में दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए 760 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इस ऑफर में 175 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू होगा। इसके अलावा 585 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल होगा जिसमें कंपनी के प्रोमोटर और शेयर होल्डर अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कंपनी की उत्तर प्रदेश के गजियाबाद और गोवा के वेरना में इकाईयों के विस्तार और कंपनी के सामान्य कामकाजों में होगा। कंपनी लाइटिंग, फैन और किचन अप्लायंसेज बनाने वाले बड़े ब्रैंड्स को मैन्यूफैक्चरिंग सेवाएं देती है। कंपनी भारत की फैक्शनल हॉर्सपावर के मोटर बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी एलईडी लाइटिंग और फलेश लाइट में अहम स्थान रखती है। एलईडी लाइटिंग और फलेश लाइट में कंपनी का इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विस शेयर करीब 7 फीसदी है। वहीं स्मॉल अप्लायंसेज वर्टिकल में कंपनी की ईएमएस मार्केट शेयर 10.7 फीसदी है। इसके अलावा कंपनी मेडिकल डाइग्नोस्टिक कॉर्ट्रिजेज भी बनाती है जो डाइग्नोस्टिक डिवाइसेज में यूज होते हैं। कंपनी ऑटो एंसिलरी और कन्ज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के लिए प्लास्टिक मोल्डेड और शीट मेटल पार्ट भी बनाती है।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अक्टूबर में 70 फीसदी बढ़ी

मुंबई । घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अक्टूबर माह में 70.46 प्रतिशत ब?कर 89.85 लाख पर पहुंच गई। नागर विमानन महानिदेशलय (डीजीसीए) ने यह जानकारी दी। डीजीसीए के आंक?ों के अनुसार इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 52.71 लाख यात्रियों ने घरेलू उ?ानों से सफर किया था। आंक?ों के अनुसार विमानन कंपनी इंडिगो से अक्टूबर के दौरान सबसे अधिक 48.07 लाख यात्रियों ने यात्रा की जो अक्टूबर में घरेलू स्तर पर हवाई यात्रा करने वाले कुल यात्रियों का 53.5 प्रतिशत है। वही एयर इंडिया के जरिए पिछले माह में 10.61 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की। इसके अलावा टाटा-एसईए के सयुंक्त उद्यम विस्तार से अक्टूबर के दौरान 6.96 लाख, एयरएशिया इंडिया से 5.72 लाख यात्रियों ने सफर किया।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी ने तोड़ा रिलायंस कंपनी का रेकॉर्ड

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम (पेटीएम) की पैरंट कंपनी वन 97 कम्यु?निकेशंस की गुरुवार को शेयर बाजार में लिस्टिंग निराशाजनक रही। कंपनी का शेयर डिस्काउंट के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुआ और फिर इश्यू प्राइस से 27.25 फीसदी नुकसान के साथ बंद हुआ। यह 5,000 करोड़ रुपए से बड़े साइज वाले आईपीओ में पहले दिन सबसे ज्यादा नुकसान झेलने वाला शेयर रहा। यह ऐसा अनचाहा रेकॉर्ड है जिसे कोई कंपनी नहीं तोड़ना चाहेगी। पेटीएम का शेयर बीएसई पर 1955 रुपए (9.07 फीसदी डिस्काउंट) के साथ पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 2150 रुपए था। यानी एक शेयर पर निवेशक को 195 रुपए प्रति शेयर का घाटा हुआ। एनएसई पर कंपनी का शेयर 9.3 फीसदी डिस्काउंट के साथ 1,950 रुपए पर लिस्ट हुआ। कंपनी का शेयर लिस्टिंग प्राइस से 390.85 रुपए (19.99 फीसदी और इश्यू प्राइस से 585.85 रुपए यानी 27.25 फीसदी) की गिरावट पर बंद हुआ। पेटीएम अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी जिसका आकार 18,300 करोड़ रुपए था लेकिन इसे उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला। इसे कुल 1.89 गुना बोलियां मिली थीं और ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम लगातार गिर रहा था। इससे पहले यह रेकॉर्ड कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के नाम था। कंपनी के शेयर ने 21.73 फीसदी प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में धमाकेदार प्रवेश ?किया था लेकिन शाम होते-होते इसमें 17.22 फीसदी गिरावट आ गई। कंपनी का आईपीओ 11,700 करोड़ रुपए का था।

कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस से 27.25 फीसदी नुकसान के साथ बंद हुआ

केयर्न का शेयर 12.50 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ था और शाम होते-होते यह गिरावट 14.06 फीसदी पहुंच गई थी। कंपनी का आईपीओ 5261 करोड़ रुपए का था। आईसीआईसीआई प्रू लाइफ का आईपीओ 6057 करोड़ रुपए का था। कंपनी का शेयर 1.5 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ और शाम तक यह गिरावट 10.88 फीसदी पहुंच गई। इसी तरह एसबीआई कार्ड्स का शेयर 12.85 फीसदी पर लिस्ट हुआ था लेकिन शाम तक इसमें कुछ सुधार हुआ। यह 9.51 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ था। कंपनी का आईपीओ 10341 करोड़ रुपए का था। न्यू इंडिया एश्योरेंस का 9467 करोड़ रुपए का था। कंपनी का शेयर 6.39 फीसदी के साथ लिस्ट हुआ और शाम तक यह गिरावट 9.37 फीसदी पहुंच गई। इस लिस्ट में अंतिम स्थान पर नुवोको विस्टा है। हाल में कंपनी 5,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लेकर आई थी। कंपनी का शेयर 17.37 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ लेकिन शाम तक इसमें कुछ सुधार आया। आखिरकार यह पहले दिन 6.79 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

मारुति सुजुकी का उत्पादन 26 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । घरेलू वाहन कंपनी मारुति सुजुकी का उत्पादन अक्टूबर 2021 में सेमीकंडक्टर (चिप) की कमी के कारण 26 प्रतिशत घटकर 1,34,779 इकाई रहा। क साल पहले की इसी महीने में यह 1,82,490 इकाई का था। कंपनी ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कमी के कारण पिछले महीने वाहनों का उत्पादन प्रभावित रहा। कंपनी ने इसके असर को कम करने के लिए हरसंभव उपाय किए। कंपनी ने बताया कि पिछले महीने उसका कुल यात्री वाहन उत्पादन 1,30,763 इकाई रहा, जो अक्टूबर 2020 में 1,76,942 इकाई का था। कंपनी की ऑल्टो और एस-प्रेसो मॉडल जैसी मिनी कारों का उत्पादन पिछले महीने 23,632 इकाई रहा। यह एक साल पहले के इसी महीने में 31,779 इकाई था। इसी तरह वैगनआर, सेलेरियो, इग्निस, स्विफ्ट, बलेनो और डिजायर समेत अन्य कॉम्पैक्ट कारों का उतपादन भी अक्टूबर, 2021 में घटकर 62,824 इकाई का हो गया। इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में यह 1,02,666 इकाई का था। कंपनी का सितंबर, 2021 महीने में कुल उत्पादन सालाना आधार पर 51 प्रतिशत घटकर 81,278 इकाई रहा था।

अब ओप्पो भी लाने जा रही है मुड़ने वाला फोन

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी ओप्पो भी अब मुडने वाला फोन लांच करने वाली है। जानीमानी कंपनी सैमसंग, हुवावे कंपनी पहले ही लांच कर चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले ओप्पो फोल्ड में गैलेक्सी जेड फोल्ड 3 और हुवावे मेट एक्स2 जैसे इनवर्ड फोल्डिंग डिजाइन होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में एक और खुलासा किया गया है कि ओप्पो एक और हाई-एंड डिवाइस पर काम कर रही है, जिसका कोडनेम ‘बटरफलाय’ है, जिसे कि अगले साल लॉन्च किया जाएगा। एक रिपोर्ट एक टिप्सटर की टिप पर आधारित है, जिसने वैबो पर इस फोन की सूचना डाली है।टिप्सटर के मुताबिक पीकॉक को इस साल के अंत में यानी अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक पीकॉक को कंपनी क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 888 चिपसेट के साथ पेश करेगी, तो बटरप्लाय को आने वाले नए और लेटेस्ट चिपसेट क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 898 के साथ लॉन्च करेगी। एक पुरानी रिपोर्ट के अनुसार ओप्पो फोल्डेबल स्मार्टफोन का फोल्डिंग डिजाइन सैमसंग गैलेक्सी ज़ेड फोल्ड 3 और हुवावे मेट एक्स 2 से मिलता जुलता हो सकता है। यह फोन सैमसंग के 8 इंच वाले एलटीपीओ आलेड पेनल के साथ लॉन्च हो सकता है। इसमें सोनी आईएमएक्स766 का 50 एमपी वाला रियर तो फ्रंट कैमरा 32एमपी का हो सकता है। इस फोन में साइड-फेसिंग फिंगरप्रिंट सेंसर भी हो सकता है।

आईफोन की अब मरम्मत लागत में आएगी कमी

एप्पल ने सेल्फ सर्विस रिपेयर प्रोग्राम का ऐलान किया

नई दिल्ली । एप्पल ने खुद की रिपेयरिंग सर्विस प्रोग्राम का ऐलान किया है, जिससे अब आईफोन 13 की मरम्मत की लागत कम हो सकती है क्योंकि एप्पल ने सेल्फ सर्विस रिपेयर प्रोग्राम का ऐलान किया है। इस प्रोग्राम के तहत एप्पल अपने यजूर्स को आईफोन और मैक कंप्यूटर की रिपेयरिंग खुद ही करने की अनुमति देगा। इस प्रोग्राम की शुरूआत में आईफोन 12, आईफोन 13 मॉडल के लिए पुर्जे आदि शामिल होंगे। एप्पल ने कहा कि आईफोन के बाद एम1 चिप्स द्वारा संचालित मैक मशीनें को सेल्फ सर्विस रिपेयर प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा। एप्पल पर लंबे समय से रिपेयरिंग प्रोग्राम शुरू करने का दबाव बन रहा था। यह दबाव का नतीजा ही है कि अब एप्पल को सेल्फ सर्विस रिपेयर प्रोग्राम शुरू करना पड़ा जो ग्राहक अपने आईफोन13, 12 की मरम्मत स्वयं करना चाहते हैं, वे एप्पल की सेल्फ स?र्विस के माध्यम से जरूरत के पार्ट्स और पुर्जों का ऑर्डर कर सकते है। हालांकि उन्हें पहले सलाह दी जाती है कि किसी भी फोन या कंप्यूटर की मरम्मत करने से पहले उसके नियम आदि पढ़ें। सेल्फ सर्विस रिपेयर प्रोग्राम में 200 से अधिक पार्ट्स और पुर्जे उपलब्ध कराये जाएंगे। इस पुर्जों की मदद से आईफोन 12 और 13 मॉडल की सामान्य रिपेयरिंग की जा सकती है। शुरू में आईफोन डिस्प्ले, बैटरी और कैमरा जैसे पार्ट्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

एप्पल का सुझाव है कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत के ज्ञान और अनुभव वाले व्यक्ति और तकनीशियन सेल्फ सर्विस प्रोग्राम के विकल्प को चुन सकते हैं। अन्य लोगों को सलाह दी जाती है कि वे प्रमाणित तकनीशियनों के साथ एक पेशेवर रिपोयरिंग सर्विस देने वाले के पास जाएं जो मरम्मत के सबसे सुरक्षित और सबसे विश्वसनीय तरीके के लिए एप्पल के असली पार्ट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। सर्विस प्रोग्राम को वे मैक कंप्यूटर भी शामिल किए जाएंगे जो एम-1 चिप का इस्तेमाल करते हैं। यूजर्स को मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर पर एप्पल के पार्ट्स और उपकरणों पर सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराए जाएंगे और इस पर छूट भी मुहैया कराई जाएगी। ,श्चश्चद्य ने कहा कि सेल्फ सर्विस प्रोग्राम अगले साल की शुरुआत में अमेरिका में शुरू होगा और इस साल बाद में अन्य देशों में इसका विस्तार होगा।

10 लाख नौकरियों को दे रहे सपोर्ट : एप्पल

अमेरिकी की शीर्ष तकनीकी कंपनी एप्पल भारत में उल्लेखनीय निवेश करने के साथ अपने वर्क फोर्स, ऐप्स और सप्लायर पार्टनर के जरिए करीब दस लाख नौकरियों का सपोर्ट कर रही है। कंपनी की वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट ऑपरेशंस) प्रिया बालासुब्रमण्यम ने यह बात कही। बेंगलुरु टेक समिट-2021 को संबोधित करते हुए बालासुब्रमण्यम ने कहा कि भारत में एप्पल पिछले दो दशकों से अधिक समय से कारोबार कर रही है और साल 2017 से इसने बेंगलुरु स्थित प्लांट में ‘आईफोन’ का मैन्युफैक्चरिंग शुरू किया है। उन्होंने कहा, ‘इसके बाद से हमने बेंगलुरु और चेन्नई में स्थित अपने प्लांट्स का विस्तार किया है, जहां से घरेलू बाजार और निर्यात के लिए आईफोन के कई मॉडलों का मैन्युफैक्चरिंग किया है। हम अपनी सप्लाई चेन के साथ अपने ऑपरेशंस के विकास और पहुंच के विस्तार और स्थानीय सप्लायर के साथ जुड़ने के लिए भारत में महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं। आईफोन 11, नए आईफोन एसई और आईफोन 12 जैसे मॉडल कंपनी सप्लायरस्स-पार्टनर्स द्वारा भारत में असेंबल किए गए हैं।

दबोह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हाई स्कूल में मातृ सम्मेलन आयोजित

भिण्ड। दबोह सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल में स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के तहत रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिन पर विधालय में मातृ सम्मेलन आयोजित किया गया। सबसे पहले माँ सरस्वती जी की तस्वीर के साथ साथ महापुरुषों की तस्वीरों पर माल्यार्पण किया गया इसके पश्चात विधालय के प्राचार्य जय श्रीराम प्रजापति ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए तेजस्वनी नारियों के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में भारतीय नारियों का बड़ा योगदान रहा है। जिनमे किरण बेदी, कल्पना चाबल, महेश्वरी देवी, सुषमा स्वराज, उमा भारती, ममता बनर्जी व बिश्व विजेयता पी टी ऊषा प्रमुख्य नारी शक्ति है। उन्होंने कहा कि झांसी की रानी ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर के राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि बालक के सर्वांगीण विकास में मां की अहम भूमिका रहती है। बालक का प्रथम गुरु माँ होती है। विद्यालय की दीदी कुमारी वर्षा चतुर्वेदी ने संस्कार क्षम वातावरण

के बारे में बताया कि बालक देख कर सीखता है ।इसलिए सभी माताएं अपने घरों पर महापुरुषों के चित्र ,पूजा घर, तुलसी के पौधे अवश्य लगाना चाहिए। कुमारी प्रतीक्षा तिवारी ने अपने वक्तव्य में बालक के आहार व्यवहार के बारे में कहा कि जैसे खाएंगे अन्न बैसा बनेगा मन इसलिए माताओं से अपेक्षा है कि घर का बना हुआ भोजन ही बालक को खिलाए बाजार के पास्ता, पिज्जा, बर्गर आदि न खिलाए ।क्योंकि इससे शारीरिक विकास नहीं होता है शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटती है श्रीमती शालिनी गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालक को मां संस्कार बचपन से ही देती है तब बालक श्रेष्ठ बनता है। अभिमन्यु अष्टावक्र तथा प्रहलाद का उदाहरण देते हुए कहा संस्कार मां के गर्भ से ही दिए जाते हैं बालक गर्भ से ही सीखता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मधु गुप्ता ने सरस्वती शिशु मंदिर के परिचय के बारे में बताया कि इस विद्यालय में हमने 20 वर्ष पहले पढ़ाया और यहां से बालक शिक्षा ग्रहण कर संस्कारित होकर बड़े-बड़े पदों पर पहुंच कर भी अपने माता-पिता दादा-दादी की सेवा करते है। मुख्य वक्ता श्रीमती सरिता देवी शासकीय कन्या विद्यालय दबोह की वरिष्ट शिक्षिका ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि महिलाओं को अपने स्वाभिमान को रखते हुए अपनी बात कहना चाहिए ।आज शिक्षित ना होने के कारण महिला को दबा दिया जाता है वह अपनी बात नहीं कह पाती है यह कार्य कठिन जरूर है लेकिन अपनी बात मनवाने का हक है उसे आप दुगना के साथ कहें में जो आज हूं वह संघर्ष करके ही हू ।और हम घर परिवार को स्वर्ग जैसा बनाए साथ ही नारी सशक्तिकरण के संबंध में चर्चा की। विधालय के छात्रों ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के गीत के माध्यम से में अपनी झांसी नही दूगी एक लघु नाटिका सम्मेलन में प्रस्तुत की नाटिका को सभी माताओं ने खूब सराहा ।माताओं ने विद्यालय के विकास के लिए अपने अपने सुझाव भी दिए तथा पारंपरिक लोक आंचलिक गीत भी माताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए ।अंत में अध्यक्षा श्रीमती गिरिजा देवी गहोई ने कहा इस विद्यालय ने हमारे बच्चों को बहुत ऊंचाई तक पहुंचाया आज बहुत बड़ी शासकीय पोस्ट पर कार्यरत हैं। मैं यही कहूंगी कि शिक्षा एवं संस्कार के लिए इसी सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अपने बालकों को पढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में शिशु वाटिका की शैक्षिक आयामों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शालिनी गुप्ता आचार्य ने किया। आभार व्यक्त पूरन सिंह कौरव द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति परिवार अध्यक्ष भगवान नायक आचार्य परिवार अमित कौरव,राजीव कौरव आदि उपस्थित रहे।

फसलों के लिए बारिश का पानी बना अमृत धान को नुकसान पहुंचने की संभावना

मौसम परिवर्तन के चलते आलमपुर मण्डी में धान की आवक बढ़ी ट्रालियों की लगी कतारें

भिण्ड। आलमपुर क्षेत्र में बीते शनिवार को हुई रिमझिम बारिश से जहाँ क्षेत्र के अनेक किसानों की फसलों को फायदा पहुंचा है। तो वही कई किसानों के लिए बे-मौसम बारिश मुसीबत बन गई है। बताया जाता है। कि जो किसान चना, मटर, सरसों इत्यादि की फसल की बुवाई कर चुके है। उन किसानों की फसलों के लिए बारिश का पानी अमृत के समान माना जा रहा है। लेकिन उन किसानों के लिए बारिश आफत बन गई है। जिन किसानों की धान कटने के पश्चात खेत खलिहान में खुले आसमान के नीचे सूखने के लिए रखी हुई थी। उन किसानों की धान बारिश के पानी से भीग गई है। जिससे धान को नुकसान पहुंचने की संभावना है। यही नहीं बारिश के चलते कृषि उपज मण्डी आलमपुर में भी कुछ व्यापारियों की धान भीग गई है। कृषि उपज मण्डी में अनाज खरीदने वाले व्यापारियों से मण्डी बोर्ड को करोड़ों रूपये की आय होती है। लेकिन मण्डी बोर्ड द्वारा अनाज व्यापारियों को महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही। मौसम परिवर्तन के चलते किसान चिंतित हो उठे है। इसी के कारण आलमपुर क्षेत्र के किसान धान की ट्रालियां भरकर कृषि उपज मण्डी आलमपुर में बैचने के लिए अल्पधिक तादाद में पहुंचने लगे हैं। यदि इस समय कृषि उपज मण्डी में देखा जाये तो धान से भरे ट्रैक्टर ट्रालियों की लम्बी लम्बी कतार लगी देखी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

315 बोर कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

भिण्ड। लहार थाना क्षेत्र के ग्राम डैनडा रोड पर मस्जिद के पास एक युवक किसी वारदात को अंजाम देने के नियम से घूम रहा था, मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया और उसके पास से एक कट्टा व जिंदा राउण्ड बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सुशील पुत्र रामप्रकाश सविता उम्र 35 वर्ष निवासी डैनडा रोड मस्जिद के पीछे व गुनगुन मेडीकल के सामने शुक्रवार रात 9.55 बजे किसी वारदात को अंजाम देने की नियत से घूम रहा था सूचना मिलते ही उसे हिरासत में लिया गया और उसके पास से एक 315 बोर कट्टा सहित एक जिंदा राउंड बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

दो वाइक की भिंडत में एक युवक घायल

भिण्ड। रौन थाना क्षेत्र के ग्राम महुआ वाले बाग के पास रौन गौरई रोड पर दो बाइकों की आपस में भिडंत हो गई। राहगीरों की मदत से घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे रायसिंह पुत्र सूरज सिंह राजपूत निवासी कौंध की मडैया जो बाइक क्रमांक एमपी30 एमक्यू2967 से क्षेत्र के महुआ वाले बाग के पास रौन गौरई रोड होते हुए गुजर रहा था, इसी दौरान आरोपी बाइक क्रमांक एमपी32एमके0686 के चालक ने तेज व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया अज्ञात

भिण्ड। मेहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम शेरसिंह का पुरा में एक किशोरी घर से बिना बतायें कहीं चली गई, परिजनों ने उसकी काफी तलाश की जिसके बाद भी पता नहीं चला तो थाने पहुंचकर अज्ञात के विरुद्ध शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर 12 से 4 बजे के बीच शेरसिंह का पुरा निवासी 16 वर्षीय किशोरी अचानक घर से गायब हो गई, पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कर लिया है।

तूमरे की बेल तोड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद, क्रॉस मामला दर्ज

भिण्ड। मौ थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुरा में तूमरे की बेल तोड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद शुरु हो गया, दोनों लोगों ने एक दूसरे से गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों फरियाद पर क्रॉस मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम 5 बजे श्रीमती पत्नी मुकेश जाटव निवासी राजपुरा भारौली ने बताया तूमरे की बेल तोड़ने को लेकर उसी गांव निवासी सत्यराम, प्रदीप, रजनी सभी ने एकजुट होकर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी तरह दूसरे पक्ष के फरियादी रजनी पत्नी रामवीर जाटव निवासी रामपुरा ने बताया इसी तरह सुरेश, श्रीमती जाटव दोनों ने मिलकर उनके साथ भी मारपीट की।

14 लाख की स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

भिण्ड। रौन थाना क्षेत्र से एक युवक को पुलिस ने 14 लाख की स्मैक के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। पकड़े गया युवक का पहले पिता मादक पदार्थों की तस्करी करता था। अब पिता के बाद उसका बेटा इस काम को संभालने लगा है। पकड़े गए तस्कर के मोबाइल में पुलिस को कट्टा-पिस्टल समेत हथियारों के फोटो मिले। पुलिस को संदेह है कि पकड़ा गया युवक हथियार सप्लाई भी करता है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में पूछताछ कर रही है।

भिंड की सायबर सेल प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत को मुखबिर ने सूचना दी कि इंदुरूखी रोड गौरई पर एक युवक बड़ी तादाद में स्मैक को लेकर खड़ा है। इस सूचना पर लहार एसडीओपी अवनीश बंसल को जानकारी दी गई। इस पर रौन, अमायन थाना पुलिस की एक टीम गठित की गई और तत्काल घेराबंदी करके पकड़ लिया गया। पकड़ा गया तस्कर रामगोपाल सिंह चौहान पुत्र अहिवरन सिंह चौहान निवासी गौरई से 140 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़ा गए युवक ने बताया कि वो यूपी से स्मैक लेकर आता था और आस पास

के क्षेत्र में बेचता था। पुलिस को शक है कि तस्कर स्मैक के अलावा अन्य मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी भी करता है। पुलिस पूरे मामले की पड़ताल में जुटी हुई है।

गांजा तस्करी प्रकरण में अमेजन कमपनी के निदेशकों के विरुद्ध मामला दर्ज

भिण्ड। बीते 13 नवम्बर को पुलिस थाना गोहद चौराहा जिला भिण्ड म.प्र. पर अप.क्र. 288/21 धारा 8/20 ख एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध किया गया था। जिसमे कुल 21 किलो 734 ग्राम गांजा आरोपी पिंटू उर्फ बिजेन्द्र तोमर निवासी छीमका थाना गोहद चौराहा और सूरज उर्फ कल्लू पवैया निवासी आजाद नगर मुरार ग्वालियर के संयुक्त कब्जे से जप्त किया गया था। प्रकरण मे अन्य आरोपी मुकुल जायसवाल निवासी नई सड़क ग्वालियर को गिरफ्तार किया गया साथ ही खरीदार चित्रा बाल्मीक निवासी मेहगॉव को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियो से पुछताछ एवं विवेचना मे आये तथ्यों के आधार पर ए.एस.एस.एल अमेजन कम्पनी द्वारा पुलिस के द्वारा पूछे गये प्रश्नो के उत्तर प्रस्तुत किये गये है। विवेचना मे आये तथ्यों के आधार पर ज्ञात हुआ है कि आरोपी सूरज उर्फ कल्लू पवैया एवं मुकुल जायसवाल द्वारा बी.ए.बी.यू. टैक्स नामक फर्जी आईडी बनाकर ए.एस.एस.एल अमेजन कम्पनी मे सेलर के रूप मे रजिस्टर्ड होकर स्टेविया के रूप मे विशाखापट्टनम से

मिश्रा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क कैंप का आयोजन

भिण्ड। शनिवार को मिश्रा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर ग्वालियर के द्वारा विजयगढ़ हनुमान मंदिर पर निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें ग्वालियर के डॉक्टर हिर्देश जयंत, डॉक्टर धर्मेंद्र द्वारा शारीरिक परीक्षण किया गया शुगर, बीपी, पल्स, ऑक्सीजन, लेवल एवं टेंपरेचर का निशुल्क परीक्षण किया गया और उसके साथ हॉस्पिटल के प्रबंधक सौरव मिश्रा गोरमी ने हॉस्पिटल की पॉलिसी एवं हॉस्पिटल के स्वास्थ्य रक्षक कार्ड के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह कार्ड लोगो को राहत देने का कार्य करेगा। जिसमें मुख्य रूप से कल्लू शर्मा, नबल सिंह, हरेंद्र भदौरिया दो सैकड़ा से ज्यादा लोगो ने उसका लाभ लिया।

बाल भिक्षावृत्ति पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

भिण्ड। शनिवार को बाल संरक्षण के अंतर्गत शा.एम.जे.एस महाविद्यालय में बाल भिक्षावृत्ति पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम यूनिसेफ मध्यप्रदेश के जिला भिण्ड में प्रतिनिधित्व कर रहे धर्मेन्द्र सिंह तोमर दुवारा आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता अंशुल हरिऔध के निरीक्षण में सम्पन कराई गई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पोस्टर का अवलोकन डॉ. कमला नरवरिया ने किया इस मौके पर प्रो. जितेंद्र विसारिया एवं स्वयंसेवक शिवम गजरोलिया, प्रवेश इन्दोरिया, गीतू तोमर ,सत्या तोमर, रोहिणी दोहरे, राहुल शिवहरे, आदि छात्र मौजूद रहे।

बच्चे देश का भविष्य होते हैं, लेकिन भूखे और कुपोषित बच्चों के दम पर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव नही

भिण्ड। अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर मानवता की पाठशाला के सदस्यों द्वारा जिला चिकित्सालय, भिण्ड के एनआरसी वार्ड में पहुंचकर वार्ड में स्थित बच्चों के बीच खुशियां बांटी। संगठन सदस्य बबलू सिंधी ने बताया कि कुपोषण एक भयावह बीमारी है, इसे बात रहते ही नियंत्रित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे कि बच्चों को भविष्य में होने वाली विभिन्न मानसिक एवं शारीरिक परेशानियों से पूर्व में ही सुरक्षित रखा जा सके। यहां बता दें कि एनआरसी वार्ड में कुपोषित बच्चों को रखकर उन्हें उचित पोषण दिया जाता है तो ऐसे में हमारी टीम ने यह निर्णय लिया कि आज का महत्वपूर्ण दिन इन्हीं बच्चों के बीच बिताया जाए। एक अध्ययन के अनुसार मप्र में कुपोषित बच्चों में एक बडा हिस्सा त्वचा व हड्डी रोग से पीडित पाया गया, जिसको देखते हुए संगठन ने बच्चों को मालिश वाला तेल, शारीरिक पुष्टता के लिए दूध-दलिया एवं सर्दी से बचाव हेतु गर्म कंबल एवं मंकी कैप प्रदान किये। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिल गोयल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे एवं मानवता की पाठशाला से बबलू सिंधी, प्रभात राजावत, दीपक चावला, मनु जोशी, अंजू गुप्ता, माधवी चौधरी, सलोनी जैन, वर्षा चौधरी, डॉ बृजबाला, डॉ नरेंद्र सिंह, मैग्गी जैन, खुशी जैन स्टाफ नर्स वर्षा दुबे, मंजू कुशवाह, रेखा, सत्यप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

बिजली कंपनी के दस्तावेज हुए चोरी, पुलिस ने लापरवाही में टाला प्रकरण

भिण्ड। जिले की अमायन थाना पुलिस ने लापरवाही की हद कर दी। अमायन में बिजली कंपनी के दफ्तर से चोरों ने धावा बोलते हुए मशीनरी समेत अन्य कई महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर लिए। इस बात की शिकायत बिजली के जेई की ओर से थाने में की गई। बिजली अफसर द्वारा की गई शिकायत पर अमायन पुलिस ने हल्के में लिया और शिकायत आवेदन लेकर मामला चलता कर दिया। यह शिकायती आवेदन के एक महीने बाद पुलिस मामला दर्ज करने की सुध आई। बिजली कंपनी के जेई अमित शर्मा के मुताबिक 15 अक्टूबर को दफ्तर में बिजली कंपनी की लोह की अलमारी (एक फीट चौड़ी और एक फीट लंबा गोदरेज

कंपनी का लॉकर) रखी थी। इसी दिन कोई अज्ञात चोर अलमारी लेकर चला गया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद मामले की शिकायत को पुलिस थाने में दर्ज कराए जाने को लेकर आवेदन दिया गया था। जेई के मुताबिक अलमारी में दो पीओएफ मशीन, एक एमआर बुक, डाक टिकट, ऑफिसर की सील, दो डीडी करीब 70 हजार कीमत का। पुलिस ने यह शिकायती आवेदन को जांच किए जाने के नाम पर अपने पास रख लिया। इसके बाद बिजली कंपनी के अफसरों द्वारा बार-बार पुलिस थाने के चक्कर काटते रहे। परंतु पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इस मामले में अमायन थाना पुलिस ने एक महीने बाद यानी 19 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज की।

फरियादी से पुलिस बोली- खाद वितरण में व्यस्त है

एक महीने बाद पुलिस द्वारा जांच किए जाने के बाद चोर की तलाश पूरी नहीं कर सकी। जब इस मामले में अमायन थाना प्रभारी दीपेंद्र यादव से बातचीत की उनका कहना है कि बिजली अफसर अपने स्तर पर जांच कर रहे थे। वहीं जेई शर्मा का कहना है कि चोरी की शिकायत के बाद पुलिस ने यह कहकर मामला टाल दिया कि अभी खाद वितरण में व्यस्त है। इस वजह से रिपोर्ट देरी से दर्ज हुई।

सीसीटीवी कैमरे बंद

चोरी की वारदात से पहले चोर को इस बात की अच्छी तरह जानकारी थी कि बिजली घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे बंद है। चोरी के बाद बिजली कंपनी के अफसरों ने जब वारदात को लेकर जानकारी जुटाई तो कैमरों को बंद पाया। इस तरह पूरे मामले में बिजली कंपनी के कर्मचारियों की मिलीभगत पर भी संदेह होने की आशंका जाहिर की जा रही है।

ग्राम चंदूपुरा में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का आयोजन शुरु

भिण्ड। जिले के ग्राम पंचायत चंदूपुरा में शनिवार दोपहर भगवान श्रीकृष्ण रासबिहारी सरकार की भव्य रासलीला कार्यक्रम का आयोजन शुरू हो गया है शनिवार को कार्यक्रम का प्रथम दिन, कथा वाचन एवं मंच संचालन घनश्यामदास महाराज वृन्दावन के द्वारा किया गया। इस दौरान रासलीला का आनंद लेने के लिए बहुत संख्या में ग्रामीणजन व अन्य जगह से पधारे धर्मप्रेमी बंधुओं ने भरपूर आनंद लाभ उठाया। कार्यक्रम स्थल काली माता का मंदिर ग्राम चंदूपुरा जिला भिंड में चल रहा है। कार्यक्रम में व्यवस्थापक समस्त ग्रामवासी चंदूपुरा है यह जानकारी राहुल थापक ने दी।

अब किसान-शासन संवाद जरुरी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सरकार ने तीनों कृषि-कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी, फिर भी आंदोलनकारी किसान नेता अपनी टेक पर अड़े हुए हैं। वे कह रहे हैं कि जब तक संसद स्वयं इस कानून को रद्द नहीं करेगी, यह आंदोलन या यह धरना चलता रहेगा। उनकी दूसरी मांग है कि सरकार उपज के सरकारी मूल्य (एमएसपी) को कानूनी मान्यता दे। मैं समझता हूं कि इन दोनों बातों का हल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा में उपस्थित है। यदि अब भी सरकार संसद के अगले सत्र में कुछ दांव-पेंच दिखाएगी और कृषि-कानूनों को बनाए रखेगी तो नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा पेंदे में पैठ जाएगी। क्या मोदी कभी ऐसा होने देंगे? हम जरा सोचें कि मोदी को कौन बाध्य कर सकता है कि वे अपने वचन से मुकर जाएं? किसानों को संदेह है और उन्होंने उसे खुले-आम कहा भी है कि मोदी ने कुछ बड़े पूंजीपतियों के फायदे के लिए ये कानून बनाए हैं। क्या इन पूंजीपतियों की इतनी हिम्मत होगी कि वे मोदी को राष्ट्र के खिलाफ वादाखिलाफी के लिए मजबूर कर सकें? इस कानून-वापसी का सभी विपक्षी दलों ने भी स्वागत किया है। यह ठीक है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त कमेटी के एक सदस्य ने मोदी की वापसी की इस घोषणा की निंदा की है और एक-दो कृषि-विशेषज्ञों ने इन कानूनों के संभावित फायदे भी गिनाए हैं लेकिन आमतौर से सभी लोग मान रहे हैं कि इन कानूनों को वापस लेने का फैसला साहसिक और उत्तम है। इस फैसले के बावजूद किसान आंदोलन को जारी रखने का तर्क यह है कि सरकार ने अभी तक खाद्यान्न के सरकारी मूल्यों को कानूनी रुप नहीं दिया है। यह बड़ा पेचीदा मामला है। यदि इस मुद्दे पर भी सरकार आनन-फानन कानून बना देती तो उसके दुष्परिणाम किसानों और जनता को भी भुगतने पड़ते। सरकार ने यह बिल्कुल ठीक किया कि इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक विशेष कमेटी बना दी है। किसान नेता यदि यह मांग करते कि उनसे परामर्श किये बिना यह कमेटी अपनी रपट पेश नहीं करे तो यह सही मांग होती लेकिन उन्होंने आंदोलन जारी रखने की जो घोषणा की है, वह नेताओं के लिए तो स्वाभाविक है लेकिन क्या अब साधारण किसान इतनी कड़ाके की ठंड में अपने नेताओं का साथ देगा? हमारे किसान नेता भी बाद में मोदी की तरह पछता सकते हैं? उन्हें अपने अनुयायियों और हितैषियों से सलाह-मश्वरा करने के बाद ही ऐसी घोषणा करनी चाहिए। किसानों ने अपनी मांग के लिए जितनी कुर्बानियां दी हैं और जितना अहिंसक आंदोलन चलाया है, उसकी तुलना में पिछले सभी आंदोलन फीके पड़ जाते हैं। किसान नेताओं को चाहिए कि वे इस सरकार का मार्गदर्शन करें और इसके साथ सहयोग करें ताकि भारत के किसानों को सदियों से चली आ रही उनकी दुर्दशा से मुक्त किया जा सके। यदि वे ऐसा करेंगे तो मुझे विश्वास है कि देश की जनता भी उनका पूरा समर्थन करेगी और विपक्षी दल भी उनका साथ देंगे।

आखिर जीत ही गए किसान!

श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

कृषि कानून के विरोध में लंबे समय से चल रहे किसानों के आंदोलन को एक बड़ी जीत हासिल हुई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनो कृषि कानूनों को वापस करने का ऐलान किया है।हालांकि ये कानून अब सिर्फ प्रधानमंत्री के कहने से वापस नही होंगे बल्कि इसके लिए सरकार को एक विधेयक कृषि कानून वापसी सम्बंधित लाना होगा। प्रधान मंत्री के इस ऐलान के बाद देश भर के किसानों में भारी खुशी है। किसान इसे अपनी ऐतिहासिक जीत बता रहे है।इस जीत पर कही किसान मिठाई बांट कर तो कहीं आतिशबाजी कर अपनी खुशिया का इज़हार कर रहें हैं। 11 माह से अधिक समय से किसानों को कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन करना पड़ा हैं।सात सौ किसानों की आंदोलन में जान भी गई है । सरकार के लिए यह आंदोलन गले की फांस बना हुआ था, जिस कारण केंद्र सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा है।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इसे किसान ताकत का प्रमाण बताया।उन्होंने किसान नेता राकेश टिकैत के रुख का समर्थन किया और कहा कि इस सरकार का रुख हर रोज बदलता है, बदलते रुख और नीयत पर विश्वास करना मुश्किल है।किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राकेश टिकैत ने साफ कहा है कि प्रधानमंत्री के इस ऐलान पर उन्हें भरोसा नहीं है. संसदीय प्रक्रिया के जरिए ये कानून वापस वापस किये जाने की उन्होंने मांग की ,जो कानून सम्मत भी है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सरकार, प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी पर इस मुद्दे को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 700 से अधिक किसानों की शहादत, 350 दिन से ज्यादा का संघर्ष कम नही होता। मंत्री के बेटे तक ने किसानों को कुचल कर मार डाला,लेकिन सरकार निर्दयी बनी रही।सरकार को कोई परवाह नहीं थी किसानों की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को चाहिए कि वे इस आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों को न्याय दें।मोदी सरकार कृषि कानून के समर्थन में लगभग एक साल तक अड़ी रही वही किसान बिना कानून वापसी के कदम पीछे हटाने को तैयार नही हुए।सर्दियों से गर्मी और अब फिर सर्दी आ गई है।किसानों की आंदोलन करते करते कमर टूट चुकी थी।लेकिन हौसला बरकरार रहा।शायद सरकार यही चाहती भी थी कि किसान थककर घर लौट जाए।कोरोना महामारी के बावजूद किसानों का आंदोलन रत रहना और सरकार द्वारा उनकी तरफ से आंखे मूंद लेना,कही न कही लोकतंत्र की जड़ो को कमजोर करता नजर आता है ।दिल्ली के किसान आंदोलन में करीब सात सौ किसानों की जान जा चुकी है।जो कदापि देश और किसान हित मे नही रहा है। किसानों की दुख तकलीफ को छोडकर पूंजीपतियो के हाथों में किसानों की जमीन सौंपने के लिए भूमिअधिग्रहण का मनमाना कानून बनाये रखने पर अडिग रही सरकार से पूरा विपक्ष लोहा लेता रहा । लेकिन उनकी आवाज नक्कार खाने में तूती की आवाज बनी रही।अनेक किसान संगठन तक मोदी सरकार के इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाते उठाते थक चुके है।कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी इस मुद्दे को लेकर किसानो के पक्ष में खड़ी रही। ताकि देश के अन्नदाता व उसकी जमीन को बचाया जा सके।चुनाव के समय किसानों एवं युवाओं को खुशहाली के बड़े बड़े सब्जबाग दिखाकर प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ और सिर्फ

येनकेन प्रकारेण फूट डालकर इन संगठनों को खत्म कराने मे कोई कसर बाकी नही छोडी। तभी तो आज ये किसान अपने अस्तित्व को बचाने की लडाई तक नही लड पा रहे है।

देश में यूं तो महाराष्ट्र का शेतकरी किसान संगठन और पंजाब का जटटा पगडी संभाल आन्दोलन सबसे पहले सुर्खियों में आया था लेकिन सही मायनों में उ0प्र0 के शामली करमूखेडी में करीब साढ़े तीन दशक पहले बिजली की बदहाली के खिलाफ किए गए किसान आन्दोलन से चौ0 महेन्द्र सिहं टिकेत को किसान नेता के रूप में पहचान मिली थी। कम पढा लिखा होने के कारण टिकेत शुरू में काफी अक्खड़ भी रहे।लेकिन सीधा सच्चा होने के कारण ही किसानो के लिए वह बहुत कम समय में मसीहा बन गए थे। अपने कडे स्वभाव के कारण किसानो का अपार जनसमर्थन मिलने के बावजूद वे कभी किसान हित में बडे फैसले नही कर पाये। उनका यह फरमान कि जब तक किसानो की समस्याए हल नही हो जाती,तब तक किसान बिजली पानी के बिलों का भुगतान नही करेगे। किसानो को लगातार कर्जदाररहा। जिस कारण कर्जा बढने से कई किसानों को आखिर में कर्ज चुकाने के लिए अपनी जमीन तक बेचनी पडी। चाहे कर्मूखेडी का आन्दोलन हो या भोपा का किसानों का संघर्ष या फि में किसानो की समस्याओ के लिए तत्कालीन मुख्यमन्त्री वीर बहादुर तक को धडे मे पानी पिलाने की जिद, हर मामले में महेन्द्र सिंह टिकेत ताकतवर बनकर उभरते रहे। उन्ही के कारण सिसौली को किसानो की राजधानी कहा जाने लगा था और सिसौली को दिल्ली से रोडवेज की बसो से जोड दिया गया था। चौ0 महेन्द्र सिहं टिकेत ने अपने किसान आन्दोलनों में कई बार दिल्ली में डेरा डाला और सरकार को झुकाने की कोशिश की। लेकिन टिकेत द्वारा लिए गए निर्णय कभी किसान हितकारी नही बन पाए। दरअसल चौ0 टिकेत की सलाहकार मण्डली में पढे लिखे लोगो का हमेशा अभाव रहा ,इसी कारण किसान शक्ति पास होने पर भी दिशाहिन होने के कारण इस शक्ति का सही फायदा नही उठाया जा सका। लेकिन इतना जरूर हुआ कि किसानो की आवाज देश दुनिया में पहुंचने से केन्द्र और राज्य सरकार ने किसानों के बारे में सोचना जरूर शुरू कर दिया था। जिसे चौ0 महेन्द्र सिहं टिकेत की उस समय की सबसे बड़ी सफलता कहा जा सकता है। चौ0 महेन्द्र सिह टिकेत पर उनके जीवन काल में मनमानी करने व किसान शक्ति का फायदा उठाने के भी आरोप लगे लेकिन फिर भी कम से कम उ0प्र0 व उत्तराखण्ड मे जीवनपर्यन्त चौ0 महेन्द्र सिहं टिकेत का दबदबा बना रहा।चाहे मुलायम सिहं यादव हो या चौ0 अजीत सिहं या फिर अन्य कोई किसान नेता कोई भी चौ0 महेन्द्र सिहं टिकेत को भुलाकर किसान राजनीति उनके जीते जी नही कर पाया। चौ0 महेन्द्र सिह टिकेत के सामने बडे से बडे नेताओ ने पानी भरा। टिकेत चाहते थे कि किसान संगठनो में एका हो ,इसके लिए उन्होने कई बार पहल भी की, लेकिन चाह कर भी सफलता नही मिल पाई । वास्तव में टिकेत का जन्म किसानो के साथ हो रहे अन्याय को कुचलने के लिए हुआ था। जिसमें टिकैत काफी हद तक सफल भी रहे।

हालाकि आज भी टिकेत के संगठन भारतीय किसान यूनियन से हर भ्रष्ट कर्मचारी व अधिकारी डरता है। पुलिस की मनमानी भी टिकेत के सामने कम ही चल पाई। पुलिस थानो में मवेशियों समेत किसान अक्सर टिकेत के आवहान पर गिरफ्तारी देते तो पुलिस की सिरदर्दी बढ जाती थी। लेकिन टिकेत पुलिस वालो को अपने ही बच्चे बताकर उनका सहयोग भी आसानी से ले लेते थे। अपने देहाती अंदाज और भाषा शैली के कारण टिकेत मीडिया के भी चहेते रहे। चौधरी महेन्द्र सिंह टिकेत व अब चौधरी अजित सिंह का इस दुनिया से चले जाना जैसे किसान राजनीति को भी अलविदा कर गया।क्योंकि उनके बाद ऐसा कोई किसान नेता नजर नही आता तो महेंद्र सिंह टिकैत जैसा जज्बा या फिर चौधरी अजित सिंह जैसा प्रभाव रखता हो। जिस देश का अन्नदाता किसान आत्म हत्या करने लगे या फिर वह हालात के मारे दम तोडने लगे तो वह देश कैसे सुरक्षित और खुशहाल रह सकता है। किसान हित में अब सरकार को कुछ अन्य कदम उठाने चाहिए।

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, %गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया।

अंधविश्वास का दायरा

सिद्धार्थ शंकर

अंधविश्वास की निर्मम घटनाएं ज्यादा उन्हीं राज्यों और क्षेत्रों में देखी जा रही हैं जहां विकास और शिक्षा की लौ पूरी तरह पहुंच नहीं सकी है। अमूमन इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग शैक्षिक रूप से तो पिछड़े हैं ही साथ ही यहां स्वास्थ्य सेवाएं भी नदारद हैं। नतीजा वे अपनी बीमारी और अस्वस्थता का मूल कारण समझने के बजाए इसे भूत-प्रेत और डायनों का प्रभाव के तौर पर मान रहे हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि डायन की आड़ में महिलाएं हत्यारों की शिकार बन रही हैं। शैक्षिक रूप से पिछड़े एवं

आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की ही बात करें तो यहां अंधविश्वास की जड़ें काफी गहरी हैं और उसका सर्वाधिक खामियाजा महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। नेशनल क्राइम ब्यूरो के आंकड़ों पर गौर करें तो यहां 20 वर्षों में 1312 महिलाओं की डायन के नाम पर हत्या हुई है। वर्ष 1991 से 2000 के बीच 522 महिलाएं मौत की घाट उतारी गयी हैं। डायन कृप्रथा पर काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं की मानें तो गांव वाले ही महिलाओं को डायन के रुप में चिह्नित करते हैं और फिर मौत की नींद सुला देते हैं। अपराधी इसलिए पकड़ में नहीं आते हैं कि इन घटनाओं में पूरा गांव शामिल होता है और अपराधी की पहचान नहीं हो पाती है। आधुनिकता और टेक्नोलॉजी से लैस होने के बावजूद भी हमारा समाज कितना पिछड़ा और अंधविश्वास से ग्रसित है इन घटनाओं से आसानी से समझा जा सकता है। याद होगा गत वर्ष पहले देहरादून की एक गैर सरकारी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि देश में तकरीबन हर साल दो सैकड़ा से अधिक महिलाओं की हत्या डायन के नाम पर होती है। ऐसे निर्दयतापूर्ण कृत्य सिर्फ झारखंड राज्य में ही नहीं बल्कि विकसित कहे जाने वाले राज्यों में भी होते हैं।

उदाहरण के तौर पर आंध्र प्रदेश राज्य में हर साल 30 से अधिक महिलाओं की हत्या डायन के नाम पर होती है। लिटिगेशन एंड एनटाइटिलमेंट केंद्र के अनुसार डायन बताकर महिलाओं की हत्या के मामले में हरियाणा और उड़ीसा राज्य भी पीछे नहीं है। इन राज्यों में 25 से 30 और 24 से 28 महिलाओं की हत्या सिर्फ अंधविश्वास और जादू-टोने के नाम पर की जाती है। विगत डेढ़ दशकों में देश में डायन के नाम पर 2500 से अधिक महिलाओं की हत्या हो चुकी है।

देखा जाए तो दिल दहलाने वाली ये घटनाएं मामूली नहीं है। जहां एक ओर देश में महिलाएं पंचायतों में अहम सहभागी बन रही हैं, नित नई बुलंदियों को चुम रही हैं और संसद में भी लोहा मनवा रही हैं वहीं डायन के नाम पर उनकी निर्ममतापूर्वक हत्या हो रही है। समाज के ठेकेदार डायन के नाम पर उन्हें निर्वस्त्र घुमा और बलात्कार कर रहे हैं। इस तरह की कारस्तानी कानून और प्रशासन के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। अजीब यह है कि कड़े कानूनों के बावजूद भी ये घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही। कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि पुलिस की मौजूदगी में ही महिलाओं को डायन बताकर उनके साथ बदसलूकी की जाती है। प्रशासन इन घटनाओं को तब गंभीरता से लेता है जब मीडिया या स्वयंसेवी संस्थाएं आगे आती हैं। हालात तब और बदतर हो जाता है जब पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों में लगने वाली पंचायतें बेखौफ होकर अपने फैसले सुनाते हुए किसी भी महिला को डायन करार दे देती हैं और समाज का पढ़ा लिखा तबका उनका विरोध करने के बजाए उन्हें अपना मौन समर्थन देता नजर आता है। इन घटनाओं के पीछे सामाजिक रुढ़िवादिता तो है ही साथ ही कानून के अनुपालन में कमी भी महत्वपूर्ण कारण है। ध्यान देना होगा कि ऐसी महिलाओं को भी डायन करार देकर मौत के घाट उतारा जा रहा है जिनके परिजन नहीं है और उनके पास संपत्ति है। अगर कहा जाए कि डायन की आड़ में संपत्ति हड़पने का खेल चल रहा है तो यह गलत नहीं होगा। समाज में व्याप्त कूरीतियों व अंधविश्वासों के खिलाफ जनजागरण चलाने की जरूरत है। साथ ही इन घटनाओं को अंजाम देने वालों को भी चिन्हित कर दंडित किया जाना चाहिए। समाज में ऐसे लोगों को रहने का हक नहीं जो अपना मतलब साधने के लिए अंधविश्वासों को खाद-पानी मुहैया करा रहे हैं।

अमृत महोत्सव पर एक सवाल - प्रजातंत्र की क्या पहचान.... गरीब जनता नेता धनवान....?

सूडोकु नवताल- 5898

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaar.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5897 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

ओमप्रकाश मेहता

इन दिनों भारत में हर कहीं आजादी के अमृत महोत्सव की दुंदभी बजाई जा रही है, किंतु क्या कभी हमने इस बात पर आत्ममंथन किया कि आजादी के पिछले 75 सालों में हमने क्या पाया और क्या खोया? हिन्दुस्तान की बेहतरी के जिन सपनों को साकार करने के लिए हमारे देश के असंख्य वीर शहीदों ने अपना जीवन समर्पित किया क्या इन 75 सालों में हम उनके सपनों में रंग भर पाये? क्या आज हमारा देश खुशहाल है? क्या यहां का मतदाता अपनी निजी जिन्दगी में सभी दैनंदिनी समस्याओं से मुक्त है? क्या यहां का शासक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ है? क्या अतीत में 'सोने की चिड़िया' कहलाने वाला हमारा देश आज भी विश्व के लिए उसी स्वरूप में है?

वास्तव में इन प्रश्नों के सही उत्तर खोजने पर हमें निराशा के साथ हमारे चारों ओर अंधकार ही नजर आता है, क्योंकि आज भी नौ दशक से अधिक उम्र के बुजुर्ग सही कहते नजर आ रहे है कि +आज से तो हम अंग्रेजों के राज में ही ज्यादा सुखी थे।+ इसका मूल कारण यह है कि पहले अंग्रेजों और उसके पहले मुगल शासकों ने इस देश को लूटा और आज हमारे अपने ही इस देश को नौंच कर खा रहे है, यद्यपि इस विचार के तहत यह पूछा जा सकता है कि इन मौजूदा शासकों को चुनने वालों का कोई दोष नहीं है? बेशक है, इन 75 सालों में यदि कोई अब तक अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति कोई नहीं जाग पाया है तो वह देश का आम नगरिक या मतदाता है, जो आज भी लुभावने व कभी न पूरे होने वाले वादों के चक्रव्यूह में फंस जाता है और अपनी खुशहाली के सपनों के साथ मतदान स्थल पर जाकर वोट डाल आता है और जो वोट पाता है, वह किसी भी राजनीतिक दल का हो, सत्ता प्राप्ति के बाद वह भी लूट-मार के रंग में रंग जाता है और 'अपना घर' भरना उसका उद्देश्य हो जाता है। यद्यपि इस स्थिति में लिए वे भी दोषी है, जिनके हाथों में यह सब रोकने की शक्ति है, हमारे देश की सर्वोच्च न्यायालय इस स्थिति पर कई बार सख्त टिप्पणी कर चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों को दोषी ठहरा चुकी है, किंतु जिसकी चमड़ी मोटी हो चुकी हो, उस पर किसी के भी शब्द बाणों का क्या असर होता है? ....और अब तो हद यह हो रही है कि जिन शिक्षियतों पर हर तरह के गंभीर अपराधों के न्यायालयों में वर्षों से मामले लम्बित है, जिनके फैसला होने पर आजन्म कारावास तक की सजा हो सकती है वे हमारे प्रजातंत्र के मंदिरों संसद व विधान सभाओं की शोभा बढ़ा रहे है? लोकसभा के 539 सांसदों में से 233 पर विभिन्न अपराधों के न्यायालयों में मामले चल रहे है, इनमें भाजपा के 39 फीसदी व कांग्रेस के 57 प्रतिशत सांसद है। एडीआर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 301 सांसदों का विश्लेषण किया गया जिनमें से 116 सांसदों ने अपने हलफनामें में आपराधिक होना स्वीकार किया, कांग्रेस के 51 में से 29 डीएमके के 23 में से 10 तृणमूल के 22 में से 9 और जदयू के 16 में से 13 सांसदों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज है। ....और जहां तक आर्थिक स्थिति का सवाल है, चंदा प्राप्त कर चुनाव लड़ने वाले नेता जब संसद या विधानसभा की सदस्यता से मुक्त (थोड़े समय के लिए) होते है तो उनके पास आलीशान बंगले और विदेशी कारें होती है। एक सरकारी कर्मचारी जो अपना पूरा जीवन सरकार को समर्पित कर सेवानिवृत्त होता है तो उसके सामने अपने परिवार के भरण-पोषण की चिंता होती है और आज का नेता सिर्फ और सिर्फ पांच सालों में अपनी सात पुश्तों का जीवन संवारने की क्षमता रखता है, यह है हमारे प्रजातंत्र का इतिहास? और यदि हम राजनीतिक दलों की बात करें तो उनके पास अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त इतना धन है कि वे उसे संभाल भी नहीं पा रहे है, चुनाव के समय यह दल चुनावी खर्च के सभी नियम-कानून व बंधन तोड़ देते है, आज एक आम नागरिक आयकर के बंधनों से जकड़ा हुआ है किंतु हमारे आधुनिक भाग्य विधाता व उनके दल सभी तरह के बंधनों से मुक्त है, वास्तव में आजादी इन्हें की मिली है, हमारे देश को नहीं?

एक्सप्रेस-वे पर लैंड करेगा लड़ाकू विमान राफेल

सच्चिदानंद शेकटकर

देश में नवनिर्मित हो रहे एक्सप्रेस-वे अब बहुउपयोगी साबित होंगे। अब ये एक्सप्रेस-वे देश की सुरक्षा व्यवस्था से भी जुड़ने जा रहे हैं। जिन पर सेना के लड़ाकू विमान भी उतरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों देश के सबसे लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया जा रहा है। लखनऊ-गाजीपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमान राफेल का अभ्यास होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण होने के साथ ही एक्सप्रेस-वे पर बने रन-वे पर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान एयर-शो के जरिए भारतीय की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सुल्तानपुर में कूरेभार गांव के नजदीक 3.2 किलोमीटर लंबा रन-वे बनाया गया है। एयर स्ट्रिप को तैयार करने की कार्यवाही पूरी हो चुकी है।

एक्सप्रेस-वे एयर स्ट्रिप पर लैंडिंग के लिए एयरफोर्स के 5 बड़े एयरबेस से करीब 30 लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे। 16 नवंबर को पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एयरफोर्स के सुखोई-30 एमकेआई, सी-130 जे सुपर हरक्युलिस जैसे विमान लैंड करेंगे। एक्सप्रेस वे पर 'टच एंड गो' ऑपरेशन के दौरान कई सुखोई और राफेल लड़ाकू विमान लैंड करते ही वापस टेक ऑफ करेंगे। फाइटर प्लेन को उतरने और उड़ान भरने में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए मुकम्मल तैयारी युद्धस्तर पर की जा रही है। कई बार वायुसेना के उच्चाधिकारी इसका निरीक्षण भी कर चुके हैं। एक्सप्रेस-वे की पट्टी के दोनों किनारे पर 15-15 मीटर के बार्डर बनाए गए हैं। पट्टी के दोनों किनारे सर्विस लेन बनाई जा रही। 354 किलोमीटर लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे फिलहाल गाजीपुर से लखनऊ के बीच बन रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका विस्तार बलिया तक करने के निर्देश दिए हैं। अब एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमानों का उतरना अलग ही रोमांच पैदा करेगा यह तय है।

पंच कल्याणक महोत्सव: आचार्य विन्रम सागर के सानिध्य में नगर में आज निकलेगी भव्य घट यात्रा

अम्बाह। क्षेत्र में 61 वर्ष बाद जैन समाज द्वारा भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ की शुरूआत आज रविवार से होने जा रही है, जो 27 नवंबर तक जारी रहेगा, जिसमें भगवान के गर्भ कल्याणक, जन्म कल्याणक, तप कल्याणक, ज्ञान कल्याणक व मोक्ष कल्याणक के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन और भक्ति का मार्गदर्शन मंगल सानिध्य प्रेरणा परम पूज्य कवि हृदय विन्रम सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में होगा। कार्यक्रम आयोजक सकल दिगम्बर जैन अम्बाह है। कार्यक्रम में सभी अनुष्ठान प्रतिष्ठाचार्य पंडित वर्धमान शौर्य द्वारा संपन्न कराया जायेगा जैन समाज द्वारा रविवार को आयोजित घट यात्रा में शामिल होने के लिए इटावा से एरावत स्वरूप हाथी को लाया गया है। जानकारी देते हुए अध्यक्ष अशोक जैन एडवोकेट, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने बताया कि आज से नगर में भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी शुरूआत आज रविवार को घटयात्रा, ध्वजारोहण, मण्डप शुद्धि, पात्र शुद्धि, इन्द्र प्रतिष्ठा, मण्डप प्रतिष्ठा, कलश स्थापना, देव आज्ञा, गुरू वंदना आचार्य श्री के मंगल प्रवचनों के साथ होगी। तत्पश्चात 22 नवंबर को गर्भ कल्याणक (उत्तररूप) के रूप में प्रातः 6 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, गर्भ कल्याणक पूजन, संत श्री के मंगल प्रवचन होंगें, दोपहर माता की गोदभराई, मुनिश्री के मंगल प्रवचन, सायं 7 बजे से महाआरती, धर्मसभा, छप्पन कुमारियों द्वारा माता की सेवा, श्रृंगार, देव वंदना, महाराजा नाभिराय का दरबार, माता का आगमन एवं स्वप्न फलादेश होगा। 23 नवंबर को जन्मकल्याणक मनाया जाएगा जिसमें प्रातः 6 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, तीर्थंकर बालक का जन्म व बधाईयां, सौधम्र इन्द्र का आसन कम्पायमान, ऐरावत हाथी पर अयोध्या नगरी की ओर प्रस्थान, शचि इन्द्राणि द्वारा तीर्थंकर बालक का दर्शन कराना, मुनिश्री के मंगल प्रवचन सानिध्य में उपनयन, संस्कार एवं मंगल प्रवचन होंगें, दोपहर 12 बजे भव्य जन्मकल्याणक जुलूस निकाला जाएगा। पाण्डुक शिला पर 1008 कलशों से बालक तीर्थंकर का जन्माभिषेक एवं बालक का श्रृंगार होगा, सांय 7 बजे से महाआरती, धर्मसभा, सौधर्म इन्द्र का ताण्डव नृत्य, बाल क्रीड़ा, पालना एवं सभी प्रतिमाओं का श्रृंगार होगा। इसी क्रम में 24 नवंबर को तप कल्याणक मनाया जाएगा जिसमें प्रातः 6 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, जन्मकल्याणक पूजन आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगें, दोपहर 12 बजे से युवराज वृषभ कुमार का विवाह संस्कार, नाभिराय का गृह त्याग, युवराज वृषभकुमार का राज्याभिषेक, महाराजा आदिकुमार के दरबार में 32 मुकुटबद्ध, राजाओं द्वारा भेंट समर्पण, षटकर्म उपदेश, वर्ण व्यवस्था, नीलांजना नृत्य, वृषभकुमार का वैराग्य, बारह भावनाओं की प्रस्तुति, भरत बाहुबली का राजतिलक, महामण्डलेश्वर राजाओं की नियुक्ति, सौधम्र इन्द्र द्वारा दीक्षाभिषेक, लौकान्तिक देवों द्वारा वैराग्य की अनुमोदना, वन गमन, मुनिश्री द्वारा दीक्षा संस्कार एवं मंगल प्रवचन होंगें, सायं 7 बजे से महाआरती, धर्मसभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम के अंत में समापन 26 नवंबर को प्रातः 6 बजे से जाप्यानुष्ठान, वृषभनाथ भगवान के द्वारा योग निरोध एवं कैलाश पर्वत पर ध्यानारूण, मुनिश्री द्वारा, गणोकार योग, कैलाश पर्वत से मोक्ष गमन, सिद्ध गुणारोपण, अभिषेक, शांतिधारा, मोक्षकल्याणक पूजन, मुनिश्री के मंगल प्रवचन 27 नवंबर को विश्व शांति महायज्ञ (हवन) आचार्य श्री के मंगल प्रवचन एवं सम्पूर्ति कार्यक्रम के साथ समापन होगा। कार्यक्रम में समस्त सकल जैन समाज से कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होने का आह्वान आयोजक कमेटी सकल दिगम्बर जैन समाज अम्बाह द्वारा किया गया है।

जिले में बाजरा खरीदी 22 नवम्बर से: कलेक्टर

मुरैना। प्रदेश स्तर से बाजरा खरीदी 22 नवम्बर से प्रारंभ की जायेगी। इसके लिये मुरैना जिले में 81 खरीदी केन्द्र बनाये गये है। इस वर्ष बाजरा का समर्थन मूल्य 2250 रूपये निर्धारित किया गया है। इसके लिये कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने गुरूवार को सीसीबी, वेयरहाउस, डीआरसी, नॉन और डीएसओ की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर बी. कार्तिकेयन ने सीसीबी, वेयरहाउस, डीआरसी, नॉन और डीएसओ को निर्देश दिये कि जिले में 81 खरीदी केन्द्र बनाये गये है। जिसमें अम्बाह-पोरसा में 19, जौरा-पहाडगढ में 30, सबलगढ-कैलारस में 16 और मुरैना-बानमौर में 17 खरीदी केन्द्र बनाये गये है। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी केन्द्रों पर जो कार्य करने वाले कर्मचारी है, उनकी बैठक ली जाये, बैठक में नये नियम एवं निर्देशों से अवगत कराया जाये। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष बाजरा विक्रय करने वाले कृषकों का आधार बैंक में लिंक होना चाहिये। अगर आधार सीडिंग बैंक में नहीं है तो भुगतान पहुंचने में असुविधा होगी। कलेक्टर ने कृषकों से अपील की है कि वे बाजरा विक्रय करने आये तो आधार कार्ड की फोटोप्रति, बैंक पासबुक साथ में अवश्य लायें। कलेक्टर ने सीसीबी, वेयरहाउस, डीआरसी, नॉन और डीएसओ को निर्देश दिये कि सभी केन्द्रों पर खरीदी सामग्री जैसे सिलाई मशीन, तौल कांटा, सुतली, कम्प्यूटर, प्रिंटर आदि सामग्री पहुंच जाये। उन्होंने कहा कि वाहनों प्रत्येक खरीदी केन्द्रों पर कम से कम 10 दिन के मान से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर ने प्रत्येक ब्लॉक पर वाहनों पहुंचने की बात अधिकारियों से पूछी।

कृषक बैंक में आधार सीडिंग अवश्य करायें

बाल सुरक्षा सप्ताह अन्तर्गत बच्चों को दी पोक्सो एक्ट की जानकारी

सुरक्षित असुरक्षित स्पर्श के प्रति बच्चों को किया गया जागरूक

मुरैना। यूथ अकादमी संस्था द्वारा अर्पण संस्था मुंबई के मार्गदर्शन में 14 नवंबर से 20 नवंबर तक बाल सुरक्षा सप्ताह अंतर्गत आयोजित जागरूकता गतिविधियों के तहत शासकीय माध्यमिक विद्यालय चंबल कॉलोनी में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा विभाग के बीआरसी शिवराज शर्मा एवं जिला बाल कल्याण समिति के पूर्व सदस्य डॉ दिनेश कुलश्रेष्ठ विशेष रुप से उपस्थित थे। इनके अलावा संस्था के संचालक संदीप सेंगर, विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमेश पाठक, शिक्षक राम नरेश, श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती मंजू शर्मा, बाहिद हुसेन, मनोज शर्मा एवं विद्यालय के बालक बालिकाएं उपस्थित थे। उपस्थित बालक बालिकाओं को डॉ दिनेश कुलश्रेष्ठ द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में विस्तार से बताया गया, साथ ही सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श के प्रति भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी बच्चे के साथ रिश्तेदारों व अन्य किसी के द्वारा किसी भी प्रकार की असहज घटना की जाती है तो बच्चों को अपने माता-पिता को तत्काल बताना चाहिए। इस अवसर पर संदीप सेंगर ने बच्चों को समझाते हुए कहा कि अगर कोई बच्चा किसी भी तरह की परेशानी मुसीबत में आता है तथा वह अपने आप को असुरक्षित महसूस करता है तो वह बच्चों के संरक्षण देखभाल हेतु जिला स्तर पर बनाई गई। जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष जाकर अपनी बात को रख सकता है। समिति बच्चों की हर प्रकार की मदद के लिए हमेशा तैयार है, बच्चों को बी आर सी मशेदय द्वारा कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए शिक्षा अध्ययन किए जाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी के द्वारा बच्चों को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया।

अधिकारी इस शब्द का प्रयोग न करें कि मैं कखवाता हूं: कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने गुरूवार को राजस्व पखवाड़ा, स्वामित्व, शहरी पथ विक्रेता की समीक्षा की। समीक्षा में कई अधिकारियों ने कहा कि मैं इस कार्य को करवाने के लिये आदेश दे दिये है या पत्र जारी कर ड्यूटी लगा दी है। कलेक्टर ने कहा कि आदेश देने का कार्य सिर्फ और सिर्फ भोपाल स्तर का होता है। जिले में तो सिर्फ योजनाओं में गति देने का कार्य अधिकारियों का होता है। मुझे इस शब्द का प्रयोग करते हुये कोई भी अधिकारी न कहे कि मैंने आदेश दे दिये है या ड्यूटी लगा दी है। योजनाओं में गति लाने के लिये टीम भावना के साथ अधिकारी स्वयं महत्वता को समझें और कार्य का प्राथमिकता दें। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के तहत कैलारस की समीक्षा की। जिसमें तहसीलदार भरत कुमार व नायब तहसीलदार शिवम् उपाध्याय ने बताया कि कैलारस क्षेत्र के अन्तर्गत 97 ग्रामों में ड्रोन उड़ाया जा चुका है। जिसमें 76 ग्रामों के नक्शे भी आ गये है। इसके बाद जौरा विकासखण्ड की समीक्षा की। समीक्षा में नायब तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा ने बताया कि 81 ग्रामों में ड्रोन उड़ाया जा चुका है।

सीएम हेल्पलाइनों का निराकरण शत-प्रतिशत 20 नवम्बर तक सुनिश्चित करें: कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने गुरूवार को देर रात्रि तक सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। समीक्षा में कैलारस तहसीलदार द्वारा सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में कोई रूचि नहीं ली गई। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुये तहसीलदार भरत कुमार एवं नायब तहसीलदार शिवम उपाध्याय का नवम्बर का माह वेतन आहरित नहीं करने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी को दिये। इसके साथ ही जेएसओ कैलारस जितेन्द्र राजावत द्वारा सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में शून्य प्रगति पायी गई। इस पर कलेक्टर ने जेएसओ राजावत की एक वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन की प्रदेश स्तर से 20 नवम्बर को सायं रैंकिंग निकाली जायेगी, जिसमें मुरैना की स्थिति खराब पायी गई तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी।

किसान विरोधी कानून वापस जाना सरकार के अहंकार पर किसानों के संघर्ष की जीत: पंकज उपाध्याय

आंदोलन के दौरान किसानों व पंजाबियों के अपमान के अपराध पर प्रधानमंत्री और भाजपा पूरे राष्ट्र से मॉफी मांगे

जौरा। भाजपा शासित केंद्र की मोदी सरकार द्वारा किसान विरोधी कानूनों को वापस लिए जाने का निर्णय खेत खलिहान और किसान की जीत है। सरकार के इस फैसले से सत्य और संघर्ष के सामने अहंकार पराजित हुआ है। सरकार और भाजपा को चाहिए कि वह किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की अकाल मौतों और देश के अन्नदाता किसानों व पंजाबियों के साथ किए गए अपमानकारी बर्ताव व दमन के लिए पूरे राष्ट्र से माफी मांगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव पंकज उपाध्याय ने कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के प्रधानमंत्री के निर्णय पर उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत की तर्ज पर भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए खेत खलिहान और किसानों को बेचने वाले काले कानूनों के खिलाफ देश के अन्नदाता किसानों के साथ श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी व श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा समेत समूची कांग्रेस पार्टी ने भी देशभर में लंबी लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मध्यप्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक के निर्देशन व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश के प्रत्येक जिले में कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर किसानों की लड़ाई में साथ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे जिम्मेदार नेताओं के साथ-साथ भाजपा के पदाधिकारियों ने काले कृषि कानूनों के खिलाफ हुए इस संघर्ष के दौरान अन्नदाता किसानों और वीरभूमि पंजाब के किसानों के संबंध में देशद्रोही, आतंकवादी, खालिस्तानी, पाकिस्तानी, आंदोलनजीवी जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, जिसके लिए वे समूचे अन्नदाता किसानों और पंजाबियों के अपमान के अपराधी हैं। सरकार के अडियल रवैया और दमनकारी कार्यप्रणाली से 700 से भी अधिक आंदोलनकारी किसानों को अपनी जान गवाना पड़ी। इस सबके चलते सरकार द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा सरकार के अहंकार और किसानों के सत्य व लंबे संघर्ष की जीत है।

गांधी जी की पुस्तक का विमोचन आज

कैलारस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद कैलारस के तत्वाधान में आज रविवार को राम जानकी मंदिर बगीची कैलारस में एक विशाल कवि सम्मेलन एवं गांधी जी की गौरव गाथा पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम दिन में 11 बजे से रखा गया है, जिसमें जिले के ख्याति प्राप्त कवि भाग लेंगे।

शनि अमावस्या को लेकर बैठक 23 को

मुरैना। शनिश्चरी अमावस्या 4 दिसम्बर को है। इसलिये मेले की भव्यता एवं आवश्यक तैयारियों के लिये कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन की अध्यक्षता में बैठक 23 नवम्बर को अपराह्न 3 बजे शनि मंदिर के सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी स्वयं उपस्थित रहेंगे।

बाजरा उत्पादक किसानों की लूट बंद हो, माकपा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने उत्तरी मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक किसानों की लूट को रोकने के लिए तुरंत सरकारी खरीद शुरू करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर कहा है कि बेमौसम बरसात और बाढ़ के कारण बाजरे के उत्पादन में कमी आने के कारण किसान पहले से ही परेशान थे, अब मंडियों में हो रही लूट ने उनके दर्द को दुगना कर दिया है। यह सब बाजरे की सरकारी खरीद शुरू न होने की वजह से है। पत्र के माध्यम से माकपा नेता ने कहा है कि पहले 15 नवंबर से बाजरे की सरकारी खरीद शुरू होने की चर्चा थी, मगर अभी तक अनिश्चय की स्थिति बनी हुई है। जिसके चलते किसानों को मजबूरी में अपना बाजरा व्यापारियों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। निजी व्यापारी 1600 से 1700 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से बाजरा खरीद रहे हैं, जबकि बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2150 रुपए है। जाहिर है कि एक क्विंटल पर ही किसानों की 450 से 550 रुपए तक की लूट हो रही है। जसविंदर सिंह ने कहा है कि प्रशासन, सरकारी खरीद एजेंसियों और व्यापारियों की सांठगांठ और इस सांठगांठ को सरकारी संरक्षण के बिना यह लूट संभव ही नहीं है। विडंबना यह है कि किसानों की यह लूट तब हो रही है, जब किसान पिछले एक साल से कृषि कानून खत्म करने और एमएसपी पर गारंटी का कानून बनाने की मांग कर रहे हैं।

दोस्ती सप्ताह का समापन: बच्चे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें: आलोक राजावत

साइबर क्राइम को लेकर बच्चों को किया जागरूक

मुरैना। दोस्ती सप्ताह के समापन के अवसर पर चाइल्ड लाइन मुरैना द्वारा साइबर सुरक्षा और जागरुकता को लेकर कार्यशाला का आयोजन सेन्टमेरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आलोक राजावत, साइबर क्राइम थाना प्रभारी सचिन पटेल, चाइल्ड लाइन कॉर्डिनेटर जय कुमार चौदिल, नितिन शिवहरे, राकेश भदौरिया, धारा सिंह, सेंटमैरी स्कूल के प्राचार्य फादर डायनोसिस्स, स्कूल टीचर एम.विजय कुमार सहित सैकडों की संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के शुभारंभ में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आलोक राजावत द्वारा बच्चों की समस्याओं, मुद्दों व अधिकारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से बच्चों से पूछा गया कि कोविड-19 त्रासदी, लॉकडाउन और स्कूल बंदी की वजह से उन्होंने शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य से जुडी किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और कैसे एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सकता है तथा किसी भी प्रकार का शोषण होने पर बच्चों को विशेष संरक्षण देने का हमारे कानून में क्या प्रावधान है। जिस पर से उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार के शोषण या अप्रिय घटना की जानकारी पुलिस के 100 नंबर तथा सरकार की चाइल्ड हैल्पलाइन नंबर 1098 पर दी जा सकती है। यह हैल्पलाइन नंबर 24 घंटे कार्य करता है। उन्होंने बताया कि बच्चे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों, अनाथ, लावारिस व लापता बच्चों का संरक्षण बाल कल्याण समिति का दायित्व है। बाल संरक्षण के लिए समाज के हर वर्ग को अपने कर्तव्य के प्रति गंभीर होना होगा। इस दौरान आलोक राजावत द्वारा मुरैना चाइल्ड लाइन के कार्यों की सरहाना की गई। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन टीम कॉर्डिनेटर जय कुमार चौदिल, नितिन शिवहरे द्वारा बच्चों के चाइल्ड लाइन के कार्य करने के तरीके के बारे में बिस्तर से बताया। कार्यक्रम में अंत मे चाइल्ड लाइन टीम द्वारा अतिथियों को सेनेटाइजर, मास्क उपहार स्वरूप प्रदान किए। कार्यक्रम में मंच संचालन नितिन शिवहरे द्वारा एवं आभार प्रदर्शन राकेश भदौरिया द्वारा किया गया।

रोहट व बगड़ी नगर को मिली मुख्यमंत्री चिरंजीवी जननी एक्सप्रेस 104 एंबुलेंस

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नेनाराम सिरवी

पाली जिले को और मिली दो 104 एंबुलेंस, दूसरे चरण में रोहट व बगड़ी नगर के अस्पताल में प्रसूताओं, गर्भवती महिलाओं व बीमार नवजात शिशुओं को मिलेगी स्वास्थ्य सेवाएं, गुलेच्छा, डॉ. मिर्धा व बिड़ला ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पाली, 20 नवंबर 2021 जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं एवं एक वर्ष तक के बीमार बच्चों को परिवहन सुविधा मुहैया करवाने के लिए शनिवार को पाली जिले को दो और मुख्यमंत्री चिरंजीवी जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस मिली। इन दोनों एंबुलेंस को शनिवार को राजस्थान नगर निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक केवलचंद गुलेच्छा, सीएमएचओ डॉ . आरपी मिर्धा व महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव नीलम बिड़ला ने जिला मुख्यालय स्थित स्वास्थ्य भवन पाली से रोहट व बगड़ी नगर के चिकित्सा संस्थानों के लिए रवाना किया गया। सीएमएचओ डॉ. आरपी मिर्धा ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा है कि आमजन के साथ गर्भवती महिलाओं व नवजात बच्चों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में गर्भवती महिलाओं व नवजात बच्चों के लिए जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के संचालित 104 एंबुलेंस मुख्यमंत्री चिरंजीवी जननी एक्सप्रेस की नई एंबुलेंस को विभिन्न जिलों को आंवटित की है। इसमें पाली जिले को भी दो और एंबुलेंस 104 प्राप्त हुई है। इन दोनों एंबुलेंस को शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित स्वास्थ्य भवन पाली में राजस्थान नगर निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक केवलचंद गुलेच्छा , सीएमएचओ डॉ. आरपी मिर्धा व महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव श्रीमति नीलम बिड़ला ने हरी झंडी दिखाकर रोहट ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोहट तथा सोजत ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगड़ी नगर के

लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ.मिर्धा ने कहा कि सरकार की ओर से जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिला एवं जन्म से एक वर्ष तक के बीमार बच्चों को निःशुल्क परिवहन सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। इन एंबुलेंस सेवा के वाहनों से हाईरिस्क गर्भवती महिला राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बच्चे, नसबंदी कैसेज को छोड़ने आदि लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन चिकित्सा संस्थानों पर प्रसव भार अधिक होने से प्रसूति एवं एक वर्ष तक के बीमार बच्चों को लाभान्वित किया जा सकेगा। डॉ. मिर्धा ने बताया कि पिछले माह भी पाली जिले के तीन 104 जननी एक्सप्रेस बाली , खारची व सादड़ी सीएचसी पर भिजवाई गई थी। इस मौके पर नगर परिषद के पूर्व प्रतिपक्ष नेता भंवर राव, कांग्रेस के पूर्व जिला महासचिव जीवराज बोराणा, पार्षद रिखबचंद जैन, बांगड़ कालेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अभिलाष पिल्लई, पूर्व पार्षद राजू बंजारा, पाली पंचायत समिति सदस्य विजय जोशी, कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता रफीक चौहान, चिकित्सा विभाग से डीडीडब्ल्यू के जिला परियोजना समन्वयक डॉ. विजेन्द्रपालसिंह चूण्डावत, एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक भवानीसिंह, एपिडेमियोलोजिस्ट डा.अंकित माथुर, मोडर्न इमरजेंसी सर्विस के जिला समन्वयक सहदेवसिंह सहित एंबुलेंस के पायलट उपस्थित थे ।

दंगल का आयोजन नगर परिषद सीएमओ नागेंद्र सिंह गुर्जर के किया गया

पुष्पांजली टुडे

सेवड़ा सकुआ मेला उद्घाटन के अगले दिन मेले में दंगल का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसडीओपी सेवड़ा उपेंद्र दीक्षित एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद प्रतिनिधि धीरज माते एवं तथा दंगल कार्यक्रम संचालन वरिष्ठ समाजसेवी श्यामू ठाकुर के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएमओ नागेंद्र सिंह गुर्जर के द्वारा दंगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गांव से कुश्ती लड़ने पहलवान पहुंचे जिसमें नदी के उस पार रह रहे मदनपुरा गांव से पहलवानों ने कुश्ती लड़ी तथा बाहर से आए हुए पहलवानों के द्वारा दंगल लड़ा गया जिसमें कई पहलवानों के द्वारा अलग-अलग तरह के दांव लगाए गए वही संकुआ धाम मेला में उमड़ी सेवड़ा नगर की भीड़ के द्वारा पहलवानों का उत्साहवर्धन किया गया तथा साथ ही में कई बड़े लोगों के द्वारा बड़ी-बड़ी भेटे भी दी गई तथा हजारों की संख्या में नगरवासी मेले में उपस्थित रहे।

वन-टू-वन

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर आवागमन को बाधित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। निगम अमले ने सी.एम. हेल्प लाईन के माध्यम से प्राप्त शिकायत के निवारण हेतु कार्यवाही करते हुए बाग मुगालिया में आवागमन को बाधित करने वाले अवैध ठेलों का अतिक्रमण हटाया जबकि होशंगाबाद रोड स्थित सुरेन्द्र पैलेस से अवैध गुमठी को हटाया। निगम अमले ने अशोका गार्डन क्षेत्र से फर्नीचर का अवैध रूप से रखा सामान हटाया साथ ही रसुल्ली करोंद से नाली के ऊपर किये गये अतिक्रमण को हटाया व करोंद स्थित विश्वकर्मा नगर में अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अनेक अतिक्रमणों को हटाया। निगम अमले ने कोलार स्थित हरेकृष्णा मार्केट अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए नये पुराने इलेक्ट्रिक सामान, पान पार्लर, लोहे के स्टैण्ड, तराजू सहित विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया जबकि न्यू मार्केट स्थित जीटीबी काम्पलेक्स से अवैध रूप से संचालित चाय के ठेले एवं कोलार क्षेत्र से सिग्नेचर रेसीडेंसी से आवागमन को बाधित करने वाले अवैध ठेलों को हटाया। इसके अतिरिक्त निगम अमले ने सनखेड़ी कोलार से 01 पलंग व 01 पान गुमठी जप्त किये जबकि 06 नंबर स्टॉप शिवाजी नगर से 01 छत ठेला, 01 गुमटी जप्त करने की कार्यवाही की तथा लिंक रोड नंबर 01 एवं 02 से अवैध ठेलों को हटाया।

केवायसी अपडेट कराने का झांसा देकर सायबर ठग ने युवक को लगाई हजारो की चपत

भोपाल। राजधानी के चूनाभट्टी क्षेत्र में रहने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी को उसके बैंक खाते की केवायसी अपडेट कराने का झांसा देकर सायबर जालसाज द्वारा 17 हजार से अधिक की ठगी किये जानेक का मामला सामने आया है। उधर कोलार इलाके में रहने वाले तीन लोगों को भी अपना शिकार बनाते हुए अलग-अलग जालसाजों ने हजारों की ठगी की है। चूनाभट्टी पुलिस के अनुसार सागर गार्डन कॉलोनी में रहने वाले महेशचंद्र गुप्ता रिटायर्ड अधिकारी हैं। बीती 28 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर एक जालसाज ने फोन कर खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके बैंक खाते की केवायसी अपडेट नहीं कराने पर उनका खाता बंद कर दिया जायेगा। फरियादी ने जालसाज से केवायसी अपडेट कराने की जानकारी ली तब शातिर ने कहा कि आप वृद्ध हैं, इसलिए आप अपने बैंक खाते संबंधी जानकारी बता दीजिए, मैं ऑनलाइन केवायसी अपडेट कर देता हूं। जालसाज के झांसे में आए फरियादी ने ठग को उसके द्वारा मांगी गई सारी जानकारी दे दी। बाद में देखा तो उनके बैंक खाते से 17 हजार 420 रुपए कट चुके थे। वहीं कोलार की कॉवेरी कॉलोनी में रहने वाले मुरलीधर गौड़ को जालसाज ने फोन कर झांसे में लेकर खाते से करीब 25 हजार रुपए निकाल लिए। इसी तरह वरुण नगर निवासी दिव्यांशी अग्रवाल पत्नी मुकेश अग्रवाल के खाते से जालसाजों ने ऑनलाइन 37 हजार रुपए निकाल लिए हैं। उधर कोलार थाना क्षेत्र के सनखेड़ा निवासी कुंदन सिंह के खाते से भी जालसाज ने नौ हजार से अधिक की रकम निकाल ली। पुलिस ने सभी मामलों में धोखाधड़ी के अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर ठगो की सुरागशी के प्रयास शुरू कर दिये है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, कारण अज्ञात

भोपाल। राजधानी के निशातपुरा थाना इलाके मे स्थित कृषक नगर करोंद में युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने का मामला सामने आया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपते हुए कारणो की जॉच शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार मूल रुप से इमलिया, बैरसिया का रहने वाला संदीप यादव पिता खिलान सिंह यादव (25) कृषक नगर करोंद में किराये से रहकर अपने दोस्त संदीप के साथ जेके रोड मिनाल पर स्थित एक ऑनलाइन कंपनी में नौकरी करता था। लोकेश साहू रोज उसे ऑफिस साथ लेकर जाता था। बीती सुबह करीब 11 बजे लोकेश संदीप को लेने उसके कमरे पर पहुंचा। इस बीच मकान मालिक की पत्नी ने बताया कि संदीप सुबह दूध लेने के लिए नहीं उठा।

राष्ट्रपति ने राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया को राष्ट्रपति भवन में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

स्वच्छ भारत मिशन के लिए हम सब आगे आकर अपने जिले को स्वच्छ बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त करें ÷ ओपीएस भदौरिया

भिण्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से भारत में चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत मध्य प्रदेश के इंदौर महानगर शहर को सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में प्रथम स्थान पर अंकित किया गया है द्व इंदौर शहर सफाई अभियान में प्रथम स्थान पर आकर एक नई मिसाल काम की एवं इसमें सर्व समाज की जनता एवं सफाई कर्मचारियों के तन-मन समर्पित भाव से यह शहर आज प्रथम स्थान पर आकर अन्य जिलों लोगों को प्रेरणा दे रहा है द्य

नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में भारत के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने इंदौर को प्रथम स्थान पर पुरस्कार के रुप में केंद्रित करते हुए भिंड जिले के मेहगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक

एवं मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया को प्रथम पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और उन्होंने पुरस्कार को ग्रहण किया द्य

इस अवसर पर राज्यमंत्री भदौरिया ने मध्य प्रदेश के समस्त जिलों की जनता को भी आवाह्न किया है कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा लेकर अपने जनों को सफाई से साफ रखें और मध्य प्रदेश में इस अभियान को और गति दें ताकि हमारा जिला पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर प्रथम स्थान पर आकर पुरस्कार ग्रहण कर सके द्य

उज्जैन योगमाया नव दुर्गा मंदिर प्रांगण में अखिल भारतीय सिरवी समाज, मध्य प्रदेश उज्जैन का अर्द्ध वार्षिक पूर्णाधिवेशन संपन्न हुआ।

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सैणचा

मध्यप्रदेश-उज्जैन योगमाया नव दुर्गा मंदिर प्रांगण अखिल भारतीय सीरवी समाज उज्जैन का अर्द्ध वार्षिक बैठक ठीक 3 बजे! आयोजित की गई। इस कार्यक्रम मे उज्जैन योगमाया नव दुर्गा ट्रस्ट का अर्द्ध वार्षिक पूर्णाधिवेशन संपूर्ण लेखों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एवं ज्वेलरी एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता रामलाल सेंणचा गांधीधाम ने की। इस उपलक्ष में विशिष्ट अतिथि घीसाराम चौधरी बिजोवा उपाध्यक्ष श्री आईजी विधयपीठ ,जवाली सम्मानित अतिथि मांगीलाल कोतवाल हरिद्वार, ताराचंद गोभक्त हैदराबाद, रामलाल हैदराबाद व कई पदाधिकारी मौजूद थे ।सभी भोजन शाला के 365 दान दाताओं मे से उपस्थित दान दाताओं का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया। सभी ने ट्रस्ट की व्यवस्थाओं की भूरि भूरि प्रशंसा की। तथा भोजन शाला के शाम के 365 दान दाताओं को नया बनाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। रामलाल सेंणचा ने बताया की समाज का विकास सभी के साथ रह कर किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश सतपुडा ने किया। अंत मे सह -सचिव ने सभी का आभार प्रकट किया। सभी ने भोजन प्रसादी ली।

चाचोडी/सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित के सानिध्य में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु बैठक का किया आयोजन

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नेनाराम सिरवी

पाली । रानी उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत चाचोडी के ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हटाने एवं संशोधन हेतु सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित के सानिध्य में बैठक का आयोजन करके ग्राम पंचायत मुख्यालय पर लोगों को नाम जुड़वाने हेतु बीएलओ द्वारा जानकारी दी गई। अध्यापक नाथूराम सिरवी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार ब्लॉक के अलग-अलग ग्राम पंचायत स्तर पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं हटाने व संशोधन हेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें बीएलओ द्वारा संपूर्ण जानकारी प्रत्येक बूथ स्तर पर दी जा रही हैं।

अन्नदाता के सामने झुकी तानाशाह सरकार,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं: मानसिंह

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

किसान काले कानून वापस पर,कांग्रेस ने शहीद किसानों को दी श्रद्धांजलि,पटाखे फोड़ की खुशी जाहिर।

भिण्ड। प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर प्रदेश के हर जिले में चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत भिंड जिला कांग्रेस कमेठी द्वारा जन जागरण कर रैली निकालकर आमजन से चर्चा की साथ ही सरकार की विफलताओं के बारे में अवगत कराया तथा उसके बाद रैली कांग्रेस कार्यालय समय 12÷00 बजे पहुंची,वहां पर किसान विरोधी तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा पर, कांग्रेस कार्यालय में संगोष्ठी की गई। जिसमें प्रमुख रूप से जिला

अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने कहा आज फिर से सिद्ध हो गया सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं दुख इस बात का है यह निर्णय लेने में भाजपा सरकार ने जो इतनी देरी की उसी का परिणाम है देश के अन्नदाता किसानों ने कई अपने परिवार की खुशियों को इस आंदोलन के हवाले कर दिया जिसमे सेकेंडो किसानो ने अपनी शहादत भी दी।और कहा दमनकारी तानाशाह सरकार को आज झुकना पड़ा यह हम सब के लिए खुशी की बात है इसी खुशी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने पटाखा फोड़ कर खुशी जाहिर की।इस संगोष्ठी में किसान आंदोलन में अपने प्राणों तक को न्योछावर करने वाले शहीद किसानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी अर्पित की बाबा भगवान दास सैंथिया, मनोज देपुरिया,सेवादल जिला अध्यक्ष संदीप मिश्रा, वरिष्ठ नेता वीरेंद्र यादव, इरशाद अहमद, नयन सिंह राजावत,हरनारायण शर्मा, राहुल कुशवाह,अंकित तोमर, रॉकी तोमर,श्रीमती रेखा भदोरिया, महिला सेवादल अध्यक्ष श्रीमती रीना चौहान,अशोक गुप्ता,सोनी,देवेंद्र सिंह कुशवाहा भारौली, नगर अध्यक्ष संजय भूता। इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

इंदौर ने रचा इतिहास स्वच्छता में लगातार पांचवी बार बना देश में सिरमोर

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

राष्ट्रपति श्री कोविंद ने किया पुरस्कृत इंदौर को सफाई मित्र सुरक्षा सम्मान से भी नवाजा गया

इंदौर। इंदौर में स्वच्छता के क्षेत्र में आज पुनः इतिहास रचा है। स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार पांचवी बार देश में अव्वल रहा है। इंदौर देश का ऐसा पहला शहर है जिसने पांच बार लगातार स्वच्छता का पुरस्कार जीता है। साथ ही इंदौर को सफाई मित्र सुरक्षा चेलेंज में भी देश में अव्वल रहने का गौरव प्राप्त हुआ है। आज भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस वर्ष के स्वच्छता सर्वे के परिणाम घोषित किये। विज्ञान भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में इन्दौर को पुनः देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का ऐलान किया गया। राष्ट्रपति श्री कोविंद ने यह पुरस्कार इंदौर को प्रदान किया। इन्दौर शहर के नागरिकों की ओर से ये पुरस्कार नगरीय प्रशासन मंत्री

भूपेन्द्र सिंह, इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी और आयुक्त नगर निगम सुश्री प्रतिभा पाल ने प्राप्त किया। इस मौके पर संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा एवं कलेक्टर मनीष सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इसी प्रकार नगर निगम इन्दौर को सफाई मित्र सुरक्षा सम्मान से भी नवाजा गया। इंदौर को यह सम्मान सफाई कर्मचारियों को बेहतर उपकरण और तकनीक मुहैया कराने के लिए प्रदान किया गया है। स्वच्छ भारत सर्वेक्षण पुरस्कारों में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक ही शहर को दो अलग–अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया हो। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सफाई मित्र सुरक्षा पुरस्कार इसी साल से शुरू किया और पहली बार में ही इंदौर इस पुरस्कार को अपने खाते हिस्से में लाने में सफल रहा।

2017 से इंदौर बना हुआ है नम्बर वन: इंदौर पहली बार 2016-17 में सफाई के मामले में देश का नंबर वन शहर बना था उसके बाद 2017-18, 2018-19, 2019-20 में वह पुरस्कार जीता था। अब 2020-21 में दस लाख से अधिक की आबादी श्रेणी के स्वच्छता सर्वेक्षण में पहले स्थान पर काबिज रहते हुए इंदौर ने %स्वच्छता का पंच% लगाया है। इन्दौर शहर को देश के सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव पहली बार वर्ष 2017 में प्राप्त हुआ था, वर्ष 2016, 2017 एवं 2018 में इन्दौर नगर निगम द्वारा शहर के नागरिकों के सहयोग से घर-घर कचरा कलेक्शन, गीला-सूखे कचरे को पृथक करना, सैनिटेशन के तहत टॉयलेट एवं यूरिनल का निर्माण और गीले-सूखे कचरे की शत-प्रतिशत प्रोसेसिंग सुनिश्चित की गई थी। इन्दौर के जन प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, रहवासी एवं बाजार एसोसिएशन, अन्य नागरिकों, मीडिया साथियों, नगर निगम इन्दौर के सफाई कर्मियों और अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से वृहद जागरूकता अभियान इन्ही 3 वर्षो में चलाया गया था। इन वर्षो में ही घर-घर से कचरा कलेक्शसन एवं परिवहन को लेकर विभिन्नग अधोसंरचनाएं एवं प्रक्रियाएं स्थोपित की गई ताकि शहर में स्व च्छनता की आदत स्था ई रूप ले सके। वर्ष 2018 एवं 2019 में इन्दौशर नगर निगम द्वारा देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड के पुराने पडे लेगेसी वेस्ट2 के बायो रेमेडाइजेशन पर कार्य किया गया जिससे देवगुराड़िया ट्रेचिंग वर्तमान में पूर्ण रूप से स्वटच्छम क्षेत्र के रूप में जाना जाने लगा है। वर्ष 2020-21 में केन्द्रा सरकार के स्वच्छता मापदण्डों के तहत इन्दौ र नगर निगम द्वारा शहर को वाटर प्ल स के रूप में प्रथम शहर का खिताब प्राप्त? हुआ। इन्दौ?र शहर वाटर प्ल?स के रूप में घोषित हो जाने से इसका सीधा लाभ शहरवासियों के स्वा स्व्दौ पर पड़ा है, क्यों कि सीवरेज का गंदा पानी का भूजल पर मिलना जहां एक और रूका है, वहीं दूसरी ओर घरों का एवं संस्था?नों का प्रदूषित गंदा पानी भी भू-तल पर स्थित नदी-नालों एवं तालाबों में मिलना बंद हुआ है।

वन-टू-वन

सिविल ड्रैस मे जा रहे पुलिसकर्मी को चाकू दिखाकर, झूमाझटकी कर पर्स लूटा

भोपाल। राजधानी के खजूरी सड़क थाने में पदस्थ आरक्षक के साथ बीती रात चार बदमाशों ने उस समय सरेराह मारपीट करने के बाद में लूट कर ली, जब वो सिविल ड्रैस था। बदमाशो ने पुलिसकर्मी का पर्स छीना, जिसमें करीब 17 सौ नकदी रखी थी। वहीं लूट का विरोध करने पर एक आरोपी ने फरियादी को चाकू अड़ा दिया, हालांकि आरक्षक ने साहस दिखाते हुए भाग रहे बदमाशों में से एक को दबोच लिया था। बाद में पुलिस ने उसके फरार तीन अन्य साथयो को भी दबोचकर उनके कब्जे से पर्स व नकदी बरामद की गई है। थाना पुलिस के मुताबिक थाने में पदस्थ आरक्षक जितेंद्र सिंह बीती रात ड्यूटी कर करीब साढ़े दस बजे बाइक से घर लौट रहे थे। जिस समय घटना हुई वह उस समय वर्दी में नहीं थे। इस दौरान पूनम ढाबे के पास अचानक से सामने से बाइक से आए चार बदमाशों ने आरक्षक को रोक लिया। इतना ही नहीं चाकू अड़ाकर बदमाशों ने उसके साथ झूमाझटकी शुरू कर दी और जेब में रखा पर्स छीन लिया। इस दौरान आरक्षक ने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया, लेकिन उसके तीनों साथी फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में पकडे गये बदमाश की पहचान जीशान उर्फ भय्यू पुत्र सलीम खान (21) निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद के रुप मे हुई। जबकि उसने अपने साथियों के नाम आदिल, दानिश और फैजू बताए। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को भी पकड़ लिया और बाइक भी जब्त कर ली। साथ ही पुलिस ने लूटा गया आरक्षक का पर्स भी बरामद कर लिया। पुलिस आरोपियों को आपराधिक रिकार्ड खंगालने के साथ ही उनसे अन्य वारदातो के बारे मे पुछताछ कर रही है।

चीनी ऐप टिकटॉक से पाकिस्तान ने रोक हटाई, पहले बताया था इस्लाम के प्रति अपमानजनक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के मीडिया नियामक प्राधिकरण ने चीनी ऐप टिकटॉक से पाबंदी फिर से हटा ली है। इस बार उसने चार महीने बाद यह प्रतिबंध हटाया है। वीडियो साझा करने वाली चीन की लोकप्रिय सेवा ने आश्वासन दिए हैं कि वह अश्लील सामग्री के प्रसारित होने पर नियंत्रण लगाएगी, जिसके बाद यह प्रतिबंध हटाया गया है। पिछले 15 महीनों में यह चौथी बार है जब पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया और फिर हटाया है। पाकिस्तान ने किशोरों और युवाओं के बीच लोकप्रिय टिकटॉक पर सबसे पहले अक्टूबर 2020 में प्रतिबंध लगाया था। उसने कहा था कि उसे ऐप पर सामग्री कथित तौर पर 'अनैतिक, अश्लील और अशिष्ट' पाए जाने को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। नियामक एजेंसी ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि टिकटॉक ने पाकिस्तान को आश्वासन दिया है कि वह उन उपयोगकर्ताओं को ब्लॉक करेगी जो 'गैरकानूनी सामग्री' अपलोड करते हैं। चीन की बाइटडांस कंपनी की इस ऐप को पाकिस्तान में तकरीबन 3.9 करोड़ बार डाउनलोड किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान ने फेसबुक और ट्विटर को उनकी सामग्री को लेकर सैकड़ों शिकायतें भेजी है। उसने आरोप लगाया कि उक्त सामग्री अप्रिय और संभावित रूप से इस्लाम के प्रति अपमानजनक है एवं पाकिस्तानी कानून के खिलाफ हैं।

अमेरिकी अधिकारी का संकल्प, ईरान के परमाणु खतरे से निपटेगा

दुबई। अमेरिकी शीर्ष रक्षा अधिकारी ने संकल्प लिया कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने और पश्चिम एशिया में आत्मघाती ड्रोनों के इसके खतरनाक इस्तेमाल से निपटेगा। यह संकल्प विश्व शक्तियों के साथ हुए ईरान के अधर में लटके परमाणु समझौते को लेकर बातचीत ठप रहने के बीच आया है। रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन की टिप्पणियां संभवतः अमेरिका के खाड़ी के अरब सहयोगियों को आश्वस्त करने के उद्देश्य से हैं जहां बाइडन प्रशासन परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है, जिसने आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले ईरान के यूरेनियम के संवर्धन गतिविधि को सीमित कर दिया था। उनकी टिप्पणी खाड़ी के देशों के द्वारा अफगानिस्तान से अमेरिका की अव्यवस्थित वापसी के बाद आई है। इस क्षेत्र के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता के बारे में चिंताएं जाहिर की हैं जहां रक्षा अधिकारियों का कहना है, कि वे चीन और रूस से कथित चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए अपनी ताकत बढ़ाना चाहते हैं। अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और हम परमाणु मुद्दे के राजनयिक परिणाम के लिए प्रतिबद्ध हैं।लेकिन अगर ईरान गंभीरता से शामिल होने को तैयार नहीं है,तब अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सभी विकल्पों पर गौर करना होगा। ईरान ने लंबे समय से अपने परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बनाए रखा है, हालांकि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि तेहरान के पास 2003 तक एक संगठित हथियार कार्यक्रम था।

अमेरिका में दो हजार अरब डॉलर का सामाजिक, जलवायु विधेयक मंजूर

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने दो हजार अरब डॉलर के सामाजिक और पर्यावरण विधेयक को को मंजूरी दे दी। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने अपने मतभेदों को दरकिनार करते हुए इस विधेयक को मंजूरी दी। मतभेदों के कारण महीनों से इस विधेयक पर गतिरोध चल रहा था। सांसदों ने 213 के मुकाबले 220 मतों से इस विधेयक को मंजूरी दी। अब यह विधेयक सीनेट में जाएगा, जहां इसमें बदलाव होंगे। बाइडन ने कहा ?कि इन सबसे ऊपर यह अमेरिका के कामकाजी लोगों और मध्यमवर्गीय लोगों का पुनर्निर्माण करके हमारी अर्थव्यवस्था को बेहतरी के रास्ते पर ले जाता है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि इस विधेयक को सीनेट के जरिए आगे बढ़ने में थोड़ा समय लगेगा लेकिन साथ ही कहा कि मैं इस पर हस्ताक्षर करूंगा।

डेढ़ हजार मेगावाट के सौर ऊर्जा पार्कों का शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

25 नवंबर को शाजापुर में होगा कार्यक्रम के साथ ही ऊर्जा साक्षरता अभियान भी होगा प्रारंभ

भोपाल। प्रदेश में जल्द ही डेढ़ मेगावाट के सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। इसके लिए आगर, शाजापुर और नीमच में परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 25 नवंबर को करेंगे। इस दौरान तीन सौर ऊर्जा पार्क और कुसुम योजना में चयनित किसानों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा साक्षरता अभियान का शुभारंभ भी होगा।

प्रदेश में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। डेढ़ हजार मेगावाट की परियोजना तीन जिलों में प्रारंभ होंगी। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन में कमी लाने में सौर ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। आगर, शाजापुर और नीमच सौर ऊर्जा पार्क से राज्य को सस्ती ग्रीन ऊर्जा मिलेगी। रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। परियोजना से लगभग 50 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन से बचाव संभावित है, जो 25 साल में पांच करोड़ पेड़ से निकलने वाली कार्बन डाईआक्साइड के बराबर है। कुसुम योजना में मार्च 2023 तक एक हजार 50 कृषि फीडर पर दो लाख 10 हजार पंप सौर ऊर्जा से चलेंगे। इससे किसानों को अधिक समय के लिए बिजली की आपूर्ति हो सकेगी।

उज्जैन-नागदा रोड पर लगेगा 400 करोड़ का सोलर प्लांट: उज्जैन-नागदा रोड पर एनटीपीसी की जमीन पर 400 करोड़ रुपए की लागत से सोलर प्लांट लगेगा। एनटीपीसी यहां सोलर प्लांट के साथ सोलर उपकरण बनाने का संयंत्र भी स्थापित करेगा। इससे उज्जैन को एक्सपोर्ट यूनिट की सौगात मिल जाएगी। यह जमीन नागदा के नजदीक है। परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए पहले चरण में जमीन का सर्वे और मिट्टी परीक्षण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

टाइगर स्टेट का तमगा पाने में अडचनें पैदा करेगी 38 बाघों की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के टाइगर स्टेट का तमगा पाने में 38 बाघों की मौतें अडचनें पैदा करेंगी। देश में एक जनवरी से 19 नवंबर 2021 तक 112 बाघों की मौत हो चुकी है। इसमें से अकेले मध्य प्रदेश में 34 प्रतिशत (38) बाघों की हुई है। यह पिछले पांच सालों में बाघों की मौत का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह स्थिति तब है, जब कर्नाटक की तुलना में मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 की गणना में सिर्फ दो बाघ ज्यादा निकले हैं। कर्नाटक में 524 और मध्य प्रदेश में 526 बाघ गिने गए थे। वहीं, बाघों की मौत के मामले में देश में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है। वहां इस अवधि में 21 तो कर्नाटक में 15 बाघों की मौत हुई है। मालूम हो ?कि देश में पांचवीं बाघ गणना शुरू हो गई है। इस बीच मध्य प्रदेश की चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कर्नाटक के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा में मध्य प्रदेश में बाघों की मौत के मामलों ने यह चुनौती और भी बढ़ा दी है। टाइगर स्टेट का तमगा बचाने और बाघ गणना 2022 में प्रतिद्वंदी राज्यों को कड़ी टक्कर देने का दावा कर रहे मध्य प्रदेश की धारतल पर स्थिति खराब है। यहां बाघों की मौत रुक नहीं रही है। यहां नवंबर माह के 19 दिनों में चार बाघों की मौत हो चुकी है। अगस्त माह में पांच बाघों की मौत हुई है।मई माह तो बाघों के लिए सबसे बुरा समय साबित हुआ है।

इंदौर से आ रही बारातियो की बस खजूरी इलाके मे नाले मे गिरी

भोपाल। राजधानी के खजूरी थाना इलाके मे उस समय बडा हादसा होने से टल गया जब इंदौर से बारात लेकर भोपाल आ रही बस अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे नाले में जा घुसी। गनीमत रही कि बस पलटने से बच गई। बस में सवार सभी लोग सुरक्षित बताये गये है, वहीं दो लोगों मामूली रुप से घायल हुए हैं। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने दूसरे वाहनों से यात्रियों को भेजा। हादसे का कारण बस चालक द्वारा वाहन को तेज स्पीड से चलाना सामने आया है। खजूरी थाना पुलिस ने बताया कि कोलूखेड़ी खजूरी के पास सड़क किनारे पेड़ों की छंटाई का काम चल रहा है। इसके लिए कर्मचारी सड़क पर बेरीकेट्स लगाए हुए हैं। शनिवार सुबह करीब 11 बजे इंदौर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बस बेरीकेट्स को टक्कर मारने के बाद सड़क से नीचे नाले में घुस गई।

भोपाल पत्नी के साथ दुष्कर्म, हत्या से दुखी पति ने भी फांसी लगाकर दे दी जान

लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी को उतारा था मौत के घाट

भोपाल। राजधानी के रातीबड़ में थाना इलाके मे पिता द्वारा बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या किये जाने के सनसनीखेज मामले मे घटना के बाद दुखी सोहेर मे रहने वाले मृतका के पति ने भी फांसी लगाकर आतमहत्या कर ली। हालांकि सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। सीहोर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरु कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया कि युवक पत्नी की हत्या के बाद से दुखी था। पुलिस के अनुसार कालापीपल, सीहोर का रहने वाला 21 साल का युवक रायपुर में टेंट में काम करता था। शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि उसने घर में फांसी लगा ली है। सूचना पाकर पहुचीं पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे फिलहाल आत्महत्या के कारणो का खुलासा हो सके। युवक ने डेढ़ साल पहले ग्राम मोहब्बा पांगरी, सीहोर निवासी युवती से लव मैरिज की थी। बीती 15 नवंबर को उसकी पत्नी की पिता ने हत्या कर दी थी। युवक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि पत्नी की हत्या के बाद से वह दुखी था। जानकारी के अनुसार रातीबड़ पुलिस को समसगढ़ के जंगलों में एक महिला और बच्चे का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मृतक महिला की पहचान बिलकिसगंज मे रहने वाली 25 साल की युवती के रूप में हुई। आगे की जांच मे मृतका के सगे पिता कमल ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। पिता ने बताया कि वह खेती करता है। बेटी ने करीब एक साल पहले समाज से बाहर एक लड़के से लव मैरिज की थी। वह रायपुर अपने पति के साथ भाग गई थी। उसके बाद से ही उनकी समाज में काफी बदनामी हो रही थी। वह बेटी से बदला लेने की फिराक में था। दीपावली के दिन रातीबड़ में रहने वाली बड़ी बेटी ने फोन पर बताया कि छोटी बहन अपने 8 महीने के बच्चे के साथ घर आई थी। उसके बेटे की मौत हो गई है। इसके बाद हम घर पहुंचे। मेरे साथ मेरा बेटा भी था। मैंने छोटी बेटी से कहा कि अब शव को रखने का कोई मतलब नहीं है। उसे हम दफना देते हैं। इसके बाद मैं बेटे के साथ बेटी और उसके बेटे को बाइक पर समसगढ़ के जंगल ले आए। आरोपी पिता कमल ने पुलिस को बताया कि उसने बेटे को सड़क पर खड़ा कर दिया। वह बेटी और पोते के शव को जंगल के अंदर एक नाले के पास ले गया। वह बहुत गुस्से में था। उसने बेटी के साथ रेप करने के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। मां ने दोनों के शव नाले में फेंककर बेटे के साथ घर आ गया। घटना के बाद बड़ी बेटी को भी बता दिया था कि छोटी को मार दिया है। वहीं मृतका का बच्चा बीमार था। उसे निमोनिया हो गया था। दीपावली की रात उसकी मौत हो गई थी। उसी के अंतिम संस्कार के लिए बड़ी बहन ने पिता और भाई को बुलाया था। ओर बच्चे को दफनाने के बहाने उन्होंने उसकी हत्या की।

पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए थे तीन काले कानून

भोपाल। पूर्व केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री और भारत कृषक समाज भोपाल के अध्यक्ष अरूण यादव ने आज शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने हेतु लागू किए गए तीन काले कानून के विरोध में देश के अन्नदाता किसानों और म0प्र0 के किसानों द्वारा अनवरत धरना देकर इन काले कानूनों की वापसी हेतु मांग की जा रही थी। श्री यादव ने आगे कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इन काले कानूनों को पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने हेतु केंद्र सरकार द्वारा लागू किया गया था। म0प्र0 भारत कृषक समाज भोपाल द्वारा प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर भी इन काले कानूनों के विरोध में अन्नदाता किसानों द्वारा धरना आंदोलन देकर इन काले कानूनों की वापसी की अन्नदाता किसानों द्वारा मांग की जा रही थी। वहीं देश के अन्नदाता किसानों द्वारा लगभग

डेढ़ वर्ष से अधिक समय तक आंदोलन किए गए। केंद्र सरकार को अन्नदाता किसानों के आगे झुकना पड़ा एवं इन काले कानूनों को वापस लेना पड़ा। कई दिनों से इसका विरोध किया जा रहा था। भाजपा सरकार द्वारा इन अन्नदाता किसानों को कभी आतंकवादी या देशद्रोही कहकर इनके खिलाफ मुकदमे भी दायर किए गए थे। श्री यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसान विरोधी होकर किसानों के हित में निर्णय नहीं ले रही है। भारत कृषक समाज के अध्यक्ष अरूण यादव ने आंदोलनरत अन्नदाता किसानों को बधाई देते हुए आभार माना।

बोलसोनारो ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता से पहले जानबूझकर जारी नहीं किए वनों की कटाई में वृद्धि के आंकड़े

ब्राजीलिया। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो और पर्यावण मंत्री जाओक्विम लीते ने अमेजन में वनों की कटाई की वार्षिक दर में बढ़ोतरी संबंधी आंकड़े ग्लासगो में हुई संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता से पहले जानबूझकर जारी नहीं किए। ब्राजील के तीन कैबिनेट मंत्रियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस रिसर्च की प्रोड्स (ब्राजील के जलाशय बहाली कार्यक्रम) निगरानी प्रणाली के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेजन ने अगस्त 2020 से जुलाई 2021 तक 12 माह की अवधि में 13,235 वर्ग किलोमीटर (5,110 वर्ग मील) वर्षावन गंवा दिए। यह आंकड़ा इससे पहले की 12 माह की अवधि से 22 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले 15 सालों में सबसे खराब स्थिति है। तीनों मंत्रियों और अंतरिक्ष संस्थान के एक समन्वयक ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि 31 अक्टूबर को ग्लासगो में वार्ता आरंभ होने से पहले सरकार की सूचना प्रणाली में वनों की कटाई संबंधी जानकारी उपलब्ध थी। मंत्रियों ने बताया कि वार्ता से छह दिन पहले राष्ट्रपति भवन में हुई बैठक में बोलसोनारो और कई अन्य मंत्रियों ने इन आंकड़ों पर चर्चा की थी और उन्होंने जलवायु सम्मेलन होने तक इन्हें जारी नहीं करने का फैसला किया। इन मंत्रियों में से दो मंत्री इस बैठक में मौजूद थे। बाद में उसी दिन सरकार ने हरित विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम आरंभ किया। राष्ट्रपति भवन में हुई बैठक में शामिल एक मंत्री ने बताया पर्यावरणीय मामलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख सुधारने की रणनीति के तहत आंकड़ों को जारी नहीं किया गया।

उन्होंने कहा इसका मकसद झूठ बोलना नहीं, बल्कि सकारात्मक घटनाओं को रेखांकित करना था। इसका मकसद तथाकथित 'डेटर' निगरानी प्रणाली के जुलाई और अगस्त के प्रारंभिक आंकड़ों को रेखांकित करना था, जिनमें वनों की कटाई की गति में वर्ष दर वर्ष कमी दिखाई गई है।

यूक्रेन मामले रुस को लेकर बुरी तरह से फंसा अमेरिका, रिपब्लिकन सांसद बन रहे दबाव

वाशिंगटन। यूक्रेन के निकट रूसी बलों की बढ़ती तैनाती के कारण अमेरिकी प्रशासन एक ऐसी पेचीदा स्थिति में फंस गया है,जहां से तय नहीं पा रहा है, कि अमेरिका रूस को रोकने के लिए किस प्रकार प्रतिक्रिया करे। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सांसद दबाव बना रहे हैं, कि अमेरिका यूक्रेन के लिए सैन्य सहयोग बढ़ाए। इससे यह खतरा पैदा होता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन केवल शक्ति प्रदर्शन तक सीमित न रहकर पूर्ण संघर्ष की ओर कदम बढ़ा सकते हैं, जिससे यूक्रेन को और भी अधिक नुकसान होगा और यूरोप में ऊर्जा संकट पैदा होने की आशंका होगी। इसके विपरीत यदि अमेरिका कमजोर प्रतिक्रिया देता है,तब उसके भी अपने जोखिम हैं। इससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ और आक्रामक कदम उठाने का साहस मिलेगा तथा वह उसके और अधिक क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश कर सकता है।इसके बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए एक बड़ा राजनीतिक नुकसान होगा, जब उनकी लोकप्रियता में कमी आ रही है। यदि अमेरिका को समझ आ जाए, कि पुतिन क्या हासिल करना चाहते हैं और बलों की तैनाती बढ़ाने का उनका मकसद क्या है,तब बाइडन प्रशासन के लिए सही संतुलन बैठाना सरल होगा। शीर्ष अधिकारी इस स्वीकार करते हैं कि उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है। रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा,हमें नहीं पता कि पुतिन क्या चाहते हैं।इससे पहले विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका को रूस की मंशा के बारे में नहीं पता लेकिन उसका अपने सैन्य हस्तक्षेप को सही ठहराने के लिए सीमा पर उकसावे को बढ़ावा देने का इतिहास रहा है। प्रतिनिधि सभा के सदस्य माइक क्रिग्ले ने कहा कि पुतिन की मंशा की बेहतर समझ होना अहम है,ताकि ''बड़े युद्ध शुरू करने वाली गलतियां करने से बचा जा सके''। गौरतलब है कि यूक्रेन ने शिकायत की थी कि रूस ने उसकी सीमा के नजदीक युद्धाभ्यास करने के बाद हजारों की संख्या में सैनिकों की तैनाती कायम रखी है, ताकि यूक्रेन पर दबाव बना सके। रूस ने 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप को अपने देश में मिलकर पूर्वी यूक्रेन में उभरे अलगावादी उग्रवाद को समर्थन दिया था। इन विद्रोहियों और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में करीब 14,000 लोगों की मौत हो चुकी है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि करीब 90 हजार रूसी सैनिक, विद्रोहियों द्वारा नियंत्रित पूर्वी यूक्रेन से लगती सीमा के करीब तैनात हैं। सैन्य तैनाती की बढ़ोतरी एक और रूसी हमले की आशंका पैदा करती है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलांस्की ने कहा था कि रूस तब तक यूक्रेन पर हमला नहीं करेगा, जब तक कि उसे ऐसा करने के लिए पड़ोसी या किसी और द्वारा उकसाया नहीं जाता। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन से कई खतरों और काला सागर में अमेरिकी युद्धपोतों की उकसावे वाली कार्रवाई का हवाला दिया था। नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि गठबंधन यूक्रेन की सीमा पर रूसी सेना की तैनाती ''असामान्य रूप से'' बढ़ते देख रहा है और माँस्को ने अतीत में भी पड़ोसी देशों में हस्तक्षेप करने के लिए इसी प्रकार ताकत का इस्तेमाल किया है।

श्रीलंका में मिला कोरोना वायरस का तीसरा म्यूटेट फॉर्म

भारत की भी बढ़ सकती हैं परेशानी

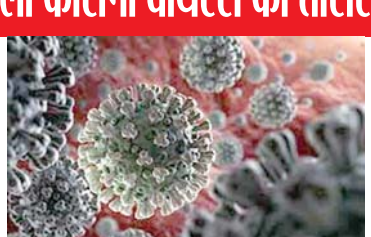

कोलंबो। श्रीलंका में महामारी कोविड-19 के घातक डेल्टा वैरियंट के नए म्यूटेट फार्म की पहचान की गई है। वैज्ञानिकों ने इस स्ट्रेन को बी.1.617.2. एवाई 104 नाम दिया है। यह श्रीलंका में मिला कोरोना वायरस का तीसरा म्यूटेट फॉर्म है। कोरोना का डेल्टा वैरियंट (बी.1.617.2) अत्यंत ही संक्रामक है। इसी वैरियंट के कारण भारत में अप्रैल-मई महीने में कोरोना ने भयानक तबाही मचाई थी। अब श्रीलंका में इसके नए वैरियंट के मिलने से भारत की चिंता एक बार फिर बढ़ गई है। दुनियाभर में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के पीछे डेल्टा वैरियंट ही मुख्य कारण है। यहां तक कि बड़ी संख्या में टीका लगवा चुकी आबादी पर भी इसके प्रभाव दिखाई दिए हैं। हालांकि, इसके सब-टाइप 'एवाई 104' की संक्रमण क्षमता का अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने कहा कि इसके नमूनों को आगे विश्लेषण के लिए हॉगकॉग की प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। श्री जयवर्द्धनेपुरा विश्वविद्यालय में अनुसंधानकर्ताओं ने एवाई 104 का पता लगाया। सरकारी विश्वविद्यालय के आण्विक और कोशिका जीव विज्ञान विभाग में निदेशक डॉ. चंदिमा जीवादरा ने कहा कि नए उत्परिवर्तन के सामने आने के बाद देश में अब तक वायरस के तीन स्वरूप सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहला स्वरूप बी.411 था, जो मूल सार्स-सीओवी-2 वायरस का प्रकार है। दूसरा बी.1.617.2. एवाई 28 था और अब यह तीसरा स्वरूप आया है।

उन्होंने कहा कि यह गौर करने की बात है कि नया स्वरूप उत्तर, उत्तर-मध्य और दक्षिणी प्रांतों में सामने आया है। अन्य स्वरूप पश्चिमी प्रांत (राजधानी कोलंबो) में सामने आए। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उत्तर-मध्य तथा दक्षिणी प्रांतों में कोविड-19 के प्रभाव वाले नये केंद्र बनने की चेतावनी दी है। स्वास्थ्य सेवा के उप महानिदेशक डॉ हेमंत हेरथ ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने की वजह से यह हुआ है। बिना नियमों के समारोह आयोजित किए गए। स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला ने कहा कि 16 साल से अधिक उम्र की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी और कुल आबादी के 61। 8 प्रतिशत हिस्से ने कोविड-19 रोधी टीकों की दोनों खुराक ले ली है।

अमेरिका- सर्दियों में कोरोना से बचाव के लिए 50 से अधिक आयु के लोगों से लगेगा बूस्टर डोज

वाशिंगटन। महामारी कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देश अमेरिका में अब सभी वयस्क कोविड-19 रोधी टीके की अतिरिक्त खुराक ले सकते हैं और कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को रोकने और सर्दियों में इसका प्रकोप अधिक न हो इसलिए 50 वर्ष एवं अधिक आयु के लोगों से अतिरिक्त खुराक (बूस्टर डोज) लेने की अपील की गई है। नए नियमों के मुताबिक 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति कोविड रोधी टीके की अंतिम खुराक लेने के छह माह बाद फाइजर या मॉडर्ना की अतिरिक्त खुराक ले सकता है। जॉनसन एंड जॉनसन का एक खुराक वाला टीका लगवाने वाले लोग इसके दो महीने बाद अतिरिक्त खुराक ले सकते हैं। इससे पहले तक लोगों के बीच इस बात को लेकर भ्रम था कि आयु, स्वास्थ्य तथा पहले लिए गए टीके के आधार पर कौन बूस्टर डोज लेने का पात्र है और कौन नहीं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) में टीका प्रमुख डॉ. पीटर मार्क्स ने प्रेस को बताया, 'हमें स्पष्ट रूप से पता चला था कि लोगों को कुछ आसान सा चाहिए और मेरे खयाल से यह ऐसा ही है।' नई नीति के शुरुआत देर रात आधिकारिक रूप लेने से पहले रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के वैज्ञानिक सलाहकारों ने जोर देकर कहा था कि सभी वयस्कों के लिए बूस्टर डोज उपलब्ध करवाने के अलावा 50 वर्ष और अधिक आयु के लोगों को जोर देकर अतिरिक्त खुराक लेने को कहा जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय वैश्विक बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताएं: राज्यपाल श्री पटेल

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय का भव्य दीक्षांत समारोह आयोजित

1007 विद्यार्थियों को प्रदान की गईं उपाधियाँ

ग्वालियर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारे कृषि विश्वविद्यालय कृषि विकास और परिवर्तन के केन्द्र बिंदु हैं। विश्वविद्यालयों को वैश्विक बाजार की मांग के अनुसार राज्य में कृषि उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

यहां कृषि महाविद्यालय के सभागार में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुए भव्य दीक्षांत समारोह में प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल और उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। एक मई 2019 से 30 अप्रैल 2021 के बीच पड़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्रदान की गईं। कृषि संकाय के 8 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। साथ ही स्नातक के 600, स्नातकोत्तर के 374 एवं पीएचडी के 33 विद्यार्थियों सहित कुल 1007 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अलावा आधा दर्जन विद्यार्थियों को सिरताज बहादुर सिन्हा स्मृति नगद पुरस्कार भी दिए गए। अतिथियों ने कृषि विश्वविद्यालय की स्मारिका का भी विमोचन किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करने के प्रयासों को कृषि विश्वविद्यालय व्यवहारिक रूप प्रदान करें। विश्वविद्यालय गांवों में पायलट प्रोजेक्ट को मूर्त रूप देकर किसानों को उन्नत कृषि के लिये प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कृषि मानव सभ्यता के उद्भव और विकास का आधार है। इसलिए यह जरूरी है कि कृषि के क्षेत्र में अध्ययन और अनुसंधान परिवर्तनशील चुनौतियों के अनुरूप हों।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्री पटेल ने यह भी कहा कि प्रदेश की कृषि प्रधान व्यवस्था को सक्षम और सम्पन्न बनाने के लिये राज्य सरकार किसानों को सम्मान निधि के रूप में प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए दे रही है। साथ ही कृषि के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। कृषि अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिये सरकार ने कृषि अवसंरचना कोष की स्थापना की है। इसके माध्यम से वर्ष 2020-21 में 7 हजार 500 करोड़ रूपए उपलब्ध कराए गए हैं। सिंचाई सुविधा को आगामी पांच वर्षों में 65 लाख हैक्टेयर क्षेत्र तक पहुंचाने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने कहा कि किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की बजाय अधिकतम खुदरा मूल्य पर फसल बेचें और देश-विदेश के बड़े बाजारों तक कृषि उत्पाद पहुँचें, इसके लिये प्रदेश में आधुनिक मंडियां, फूड पार्क और आधुनिक वेयर हाउस की श्रृंखला का निर्माण मिशन मोड पर हो रहा है।

दूसरी हरित क्रांति की जरूरत

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि देश में दूसरी हरित क्रांति की आवश्यकता है। दूसरी हरित क्रांति अधिक व्यापक, अधिक समावेशी और अधिक टिकाऊ हो। साथ ही हमारे प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग किए बिना उत्पादन में बढ़ोत्तरी संभव हो। इसके लिये किसानों को उपयुक्त तकनीक और कृषि की नवीन प्रथाओं के जरिए उन्हें जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को अनुकूलित करने के लिये सक्षम बनाकर खाद्य सुरक्षा में बढ़ोतरी के प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा किसानों को कृषि उद्यमियों के रूप में देखा जाए, जो कॉर्पोरेट उद्यमियों के साथ व्यापार करने में सक्षम और कुशल हों।

किसानों की खुशहाली होगी शिक्षा की सार्थकता का मापदण्ड

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक और उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई, शुभकामनायें और आशीर्वाद दिया। साथ ही उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों से कहा कि आप सबकी शिक्षा की सार्थकता का मापदण्ड किसानों की खुशहाली ही है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर भरोसा जताया कि वे स्वयं की प्रगति करने के साथ-साथ किसानों के जीवन में बदलाव लाने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिये उत्साहपूर्वक आगे बढ़ेंगे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने किया कृषि जैव प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र का लोकार्पण

ग्वालियर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ग्वालियर प्रवास के दौरान राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में नवनिर्मित कृषि जैव प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र का लोकार्पण भी किया। इस केन्द्र का निर्माण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि से किया गया है। कृषि जैव सूचना केन्द्र का निर्माण कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के नजदीक स्थित शहीद उधम सिंह चौराहे के पास किया गया है।

किसान कानून वापिस लिये जाने पर विधायक डॉ. सिकरवार ने 'विजय सभा' के रूप में मनाया जश्न

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में आज इन्दरगंज ब्लॉक/ ठाठीपुर ब्लॉक एवं मुरार ब्लॉक में ''विजय सभा'' के रूप में मनाया गया और आतिशबाजी जलाकर आमजन में मिठाई का वितरण किया गया।

केन्द्र सरकार ने काफी महीनों से चल रहे किशान आन्दोलन को देखते हुये किसानों पर लदे गये तीनो कृषि कानूनों को वापिस लिये जाने पर किसानों की गांधीवादी तरीके से हुई विजय के उपलक्ष्य पर विजय सभा को एक पर्व के रूप में मनाया गया।

इस 'विजय सभा' कार्यक्रम में उपयुक्त इन्दरगंज ब्लॉक में उपस्थित शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र शर्मा जी, माननीय विधायक डॉ सतीश सिकरवार जी, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश सिंह गुर्जर जी, सुरेंद्र यादव जी, सोनू भदोरिया जी, मनीष अग्रवाल जी, सुरेश प्रजापति, अनूप तिवारी जी, शरद यादव जी, महेन्द्र शर्मा जी, भूपेंद्र तोमर जी, आशीष साहू जी, भगवान सिंह जादौन जी, मधुरिया जी, टिंकू परिहार जी, बृजेश पाठक, जी राकेश श्रीवास जी, अर्जुन कुशवाह मुरार ब्लॉक में मुरार ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन जी, पूर्व पार्षद चतुर्भुज धनौल्या जी, बहन वीना भारद्वाज जी, सीमा समाधिया जी, सतेंद्र सिकरवार जी एवं ठाठीपुर, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम सिंह नेताजी, पूर्व पार्षद चतुर्भुज धनौल्या जी, बहन वीना भारद्वाज जी, सीमा समाधिया जी, सुधीर मंडेलिया जी, कमलेश इंदौरिया जी, एवं सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रगति मैदान में मध्यप्रदेश मण्डप बना आकर्षण का केन्द्र, राज्यमंत्री श्री भदौरिया मंडप देखने पहुंचे

ओपीएस भदौरिया ने शनिवार को प्रगति मैदान पहुँचकर मध्यप्रदेश के मण्डप का जायजा लिया। उन्होंने मण्डप का अवलोकन करने के बाद कहा कि इसमें आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये किए जा रहे प्रयासों को जीवंत ढंग से प्रदर्शित किया गया है। मध्यप्रदेश के मण्डप में आत्मनिर्भर भारत के तहत आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप और उपलब्धियों को बखूबी ढंग से दर्शाया गया है, जिसमें खासतौर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये बताए गए चार स्तम्भों अर्थात भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य व शिक्षा और अर्थव्यवस्था व रोजगार पर केन्द्रित गतिविधियां प्रदर्शित की गई हैं। मध्यप्रदेश के मण्डप में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद तथा एक जिला-एक उत्पाद योजना के उत्पाद विशेष आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं, जिनमें शिवपुरी के जैकेट, टीकमगढ़ की पीतल की मूर्ति, उज्जैन का प्याज, डिण्डोरी की कोदो-कुदकी से बनी मिठाईयां, सीधी के कालीन, चंदेरी व अशोकनगर की साड़ियां और डिण्डोरी की गोंण पेंटिंग खास हैं। इस आयोजन में महिला विंत एवं विकास निगम, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन, एमएसएमई विभाग, मृगनयनी एम्पोरियम इत्यादि का विशेष सहयोग है। मध्यप्रदेश के मण्डप में पर्यटन विभाग की सूचनायें भी प्रदर्शित हैं। साथ ही पर्यटन विभाग ने ऐसे व्यंजन भी परोसे हैं, जो लोग भूलते जा रहे हैं, इनमें गुलगुला, लपसी, बुंदेली खाने की थाली, गौंणी थाली व कोदो-कुदकी प्रमुख हैं।

राज्य मंत्री श्री भदौरिया मंडप देखने पहुँचे

ग्वालियर। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 में मध्यप्रदेश के मण्डप की धूम मची हुई है। मध्यप्रदेश के मण्डप में जहां एक ओर प्रदेश के आर्थिक विकास के सजीव दर्शन हो रहे हैं, वहीं प्रदेश की सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधी विविधताओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट आज ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट रविवार को ग्वालियर आयेंगे। मंत्री श्री सिलावट ग्वालियर प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 21 नवम्बर को प्रातः 10.35 बजे इंदौर से वायुमार्ग द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.15 बजे ग्वालियर विमानतल पहुँचेंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर 2 बजे चंबल कॉलोनी ठाठीपुर में मुख्य अभियंता कार्यालय यमुना कछार में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे। श्री सिलावट अपरान्ह 4 बजे मुरार सर्किट हाउस पहुँचेंगे। प्रभारी मंत्री सायंकाल 6 बजे से स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 22 नवम्बर को देर रात रेल मार्ग द्वारा ग्वालियर से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

वाटर कैनन मशीन से शहर में विभिन्न स्थानों पर किया फॉगिंग व दवा छिड़काव

ग्वालियर। शहर में संक्रामक एवं मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं कीट-मच्छरों से बचाव के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा विभिन्न वार्डों में फोगिंग व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही लार्वा का सर्वे भी किया जा रहा है तथा जहां भी लार्वा मिला तत्काल जुमीने की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि बदलते मौसम में मच्छरों का प्रकोप ज्यादा रहता है। वर्तमान में मच्छर व अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना रहती है। जिसे देखते हुए निगम द्वारा नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्यान के निर्देश पर विभिन्न वार्डों में फोगिंग व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के लिए अभियान चलाया जा रहा है। शहर के विभिन्न स्थानों पर जिसमें गुडा गुडी का नाका, झांसी रोड, आनंद नगर, बहोड़ापुर, जयारोग्य हॉस्पिटल, बंसल विहार, केसर हॉस्पिटल, लक्ष्मीबाई कॉलोनी, पुलिस लाइन, गरगज कॉलोनी, लक्ष्मीपुरम, गुरुनानक नगर, फूलबाग, जेल रोड, सदाशिव नगर, हेलीपेड कॉलोनी, तानसेन नगर, हजीरा, थाटीपुर आदि जगहों पर फोगिंग व कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही फोगिंग मशीन द्वारा विभिन्न कॉलोनियों में गुड़ा गुड़ी का नाका, बालाजी विहार, पिंटू पार्क, गायत्री विहार ,दर्पण कॉलोनी ,डी डी नगर ,गोवर्धन कॉलोनी, मुरार, नारायण विहार कॉलोनी, ब्रिज विहार कॉलोनी, कुशवाह मोहल्ला, जागृति नगर, हरिजन बस्ती, हजीरा, मुंशीयों का मोहल्ला, नयापुरा, जीवाजी नगर, पटेल मोहल्ला, रुदपुरा, माधवगंज इत्यादि जगह पर फोगिंग की गई।

डेंगू लार्वा पाये जाने पर जुर्माना वसूला: इसके साथ ही शहर की विभिन्न कॉलोनियों में डेंगू का लार्वा पाये जाने पर वार्ड 28 भीमनगर एवं कुम्हारपुरा में 350 रुपए, गंदगी पर शिंदे की छावनी ऑटोपार्ट्स की दुकानों में कुल 4800 रुपए, नाका चंद्रवदनी एवं झांसी रोड 600 रुपए, अचलेश्वर रोड 300 रुपए, थाटीपुर में 250 रुपए, बहोड़ापुर में 100 रुपए एवं बाई साहब की परेड 100 रुपए का जुर्माना वसूल गया।

शिक्षा का उपयोग समाज व देश की भलाई के लिये होना चाहिए : राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

आईटीएम विश्वविद्यालय का छठवाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न

ग्वालियर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शिक्षा से प्राप्त संस्कारों से समाज के वंचित और प्रगति की धारा में पीछे रह गए लोगों के विकास और कल्याण के लिये निष्ठा के साथ प्रयास किए जाना चाहिए। राज्यपाल शनिवार को आईटीएम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आईटीएम विश्वविद्यालय से डिग्रियाँ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुए यह बात कही।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोदन यादव ने की। इस अवसर पर कुलाधिपति आईटीएम यूनिवर्सिटी श्रीमती रूचि सिंह, प्रो. भारत सिंह, कुलपति डॉ. एस एस भाकर के साथ ही मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती अश्विनी पाण्डेय, प्रो. गगनदीप कंज, श्री रनजीत सिंह एवं रजिस्ट्रार श्री ओमवीर सिंह उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि छठवें दीक्षांत समारोह में जिन विद्यार्थियों को डिग्रियाँ मिल रही हैं, उनको और उनके परिवारों को बधाई। मानक उपाधि धारकों की प्रतिबद्धता संकल्प शक्ति से नव दीक्षांत विद्यार्थी प्रेरणा लेंगे और राष्ट्र, समाज की सेवा के लिये संकल्पित होकर कार्य करेंगे, ऐसी अपेक्षा है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में युवाओं के लिये अनुकूल वातावरण बनाया है, जिससे हर तरफ प्रगति की अपार संभावनायें हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में शिक्षा को बंधन मुक्त कर युवाओं के हौसलों को उन्नति के अपार अवसर देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है। युवा नौकरी देने वाले बनें, इसके लिये स्टार्टअप शुरू करने, पूँजी उपलब्ध कराने के लिये एक हजार करोड़ रूपए का स्टार्टअप इंडिया सीड फंड शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिये एक लाख करोड़ रूपए का एग्रो इन्फा फण्ड भी बनाया है। इसके साथ ही सरकारी खरीदी के लिये जैम पोर्टल बनाकर स्टार्टअप उत्पादों को विक्रय के समान अवसर उपलब्ध कराए हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि विद्यार्थी स्वयं की प्रगति करते हुए राष्ट्र और समाज के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पैसा कमाना नहीं होता है। शिक्षा के माध्यम से समाज व देश के विकास में कितना योगदान दे सकते हैं, उसका उतना प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईटीएम यूनिवर्सिटी से अपना अध्ययन पूर्ण कर विद्यार्थी अपने आने वाले भविष्य के लिये तैयार हुए हैं। देश में अपार संभावनायें हैं। सभी विद्यार्थी अपना उज्जवल भविष्य बनाएं और विश्वविद्यालय, परिवार के साथ-साथ प्रदेश व देश का नाम भी रोशन करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. I31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478